पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

हिना खान ने बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल संग रचाई शादी

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 43 | अंक : 81 | शुक्रवार, 6 जून 2025 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play | GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

दिवाली बाद फूटेंगे मनपा चुनाव के पटाखे

- सभी पार्टियाँ अपने दम पर चुनाव लड़ने की तैयारी में
- 29 महानगर पालिका, 248 नगर परिषद, 42 नगर पंचायतें, 22 जिला परिषदों, 336 पंचायत समितियों का होगा फैसला

उल्हासनगर. स्थानीय स्वराज्य संस्था यानी महानगर पालिका, नगर परिषदों, नगर पंचायतों, जिला परिषदों और पंचायत समितियों के विलंबित आम चुनावों के पटाखे दिवाली के बाद ही फूटेंगे। लोकसभा और विधानसभा के बाद महानगरों, कस्बों और गांवों में सबसे बड़ा वोट प्रतिशत तय करने वाले इन चुनावों में सभी राजनीतिक दल अपने-अपने दम पर उतरेंगे। इसलिए सत्तारूढ़ दल (भाजपा, शिवसेना-शिंदे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी), विपक्षी कांग्रेस, शिवसेना (ठाकरे गुट), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) के साथ-साथ वंचित बहुजन आघाड़ी, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना, आरपीआई जैसे प्रमुख दल और अन्य राजनीतिक दल तथा उनके नेता और पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को काफी कसरत करनी पड़ेगी। पूरे राज्य का ध्यान इन स्थानीय सरकार चुनावों पर रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश से राज्य में स्थानीय निकायों के आम चुनावों का रास्ता साफ हो गया है, जो पिछले 3 से 5 वर्षों से आरक्षण, वार्ड संरचना, कोविड आदि विभिन्न कारणों से रुके हुए थे। राज्य में 29 महानगर पालिकाओं, 248 नगर परिषदों, 42 नगर पंचायतों, 32 जिला परिषदों और 336 पंचायत समिति के चुनाव लंबित हैं। इन सभी संस्थानों में पिछले 3 से 5 वर्षों से प्रशासक शासन चल रहा है। हालाँकि, सुप्रीम कोर्ट के फैसले से अब इन चुनावों का रास्ता साफ हो गया है। अदालत के आदेश के अनुसार, 4 सप्ताह के भीतर चुनाव अधिसूचना जारी करने और 4 महीने के भीतर चुनाव कराने का निर्देश दिया गया है। तदनुसार, चुनाव सितंबर के अंत तक होने की उम्मीद है। लेकिन बारिश और दिवाली के त्योहार के कारण ये चुनाव दिवाली के बाद 2 चरणों में होने की संभावना है।

निर्वाचन विभाग के सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि आदर्श आचार संहिता यानी चुनाव अधिसूचना दिवाली के दौरान या दिवाली के तुरंत बाद कभी भी जारी हो सकती है। लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बाद सबसे बड़ा आम चुनाव स्थानीय निकाय चुनावों के माध्यम से होगा। यह समझा जाता है कि सभी राजनीतिक दल स्थानीय स्वशासन निकायों, अर्थात् महानगर पालिकाओं, नगर पालिकाओं, नगर परिषदों और नगर पंचायतों के सभी चुनाव अपने दम पर, अर्थात् स्वतंत्र रूप से लड़ेंगे।

इस बीच, मुख्य विपक्षी महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस के साथ शिवसेना (ठाकरे गुट) ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह स्थानीय निकाय चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ेगी। इसलिए कांग्रेस, शिवसेना (ठाकरे गुट) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ-साथ वे भी अकेले ही मैदान में नजर आएंगे।

ओबीसी आरक्षण 27%

कोर्ट के आदेश के अनुसार, चुनाव 2022 से पूर्व की आरक्षण व्यवस्था के अनुसार होंगे, जिसमें ओबीसी वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण होगा।

दो चरणों में चुनाव

पहले चरण में जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव होंगे, जबकि दूसरे चरण में मनपा, नगर पालिका, नगर परिषद और नगर पंचायत के चुनाव होंगे।

अकेले चुनाव लड़ने की अंदरूनी तैयारी

सूत्रों ने बताया कि हालांकि गठबंधन सहयोगी भाजपा और शिवसेना (शिंदे) ने मिलकर चुनाव लड़ने का वादा किया है, लेकिन दोनों दलों की ओर से अंदरूनी तैयारियां चल रही हैं। इस चुनाव में भाजपा नेता मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, शिवसेना नेता उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, कांग्रेस नेता हर्षवर्धन सपकाल, शिवसेना (ठाकरे गुट) उद्धव ठाकरे, एनसीपी (सपा) के शरदचंद्र पवार, मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे, वंचित के प्रकाश आंबेडकर, आरपीआई के रामदास आठवले, स्वाभिमानी शेतकरी संगठन के नेता राजू शेट्टी, एमआईएम, सपा आदि राजनीतिक दलों और उनके नेताओं की ताकत और वोटों का अंदाजा साफ हो जाएगा। इसलिए राज्य का ध्यान इन चुनावों की ओर आकर्षित हो गया है।

2017 की वार्ड संरचना यथावत रहेगी

राज्य सरकार ने 29 मई को आयोजित वीसी में जिला निर्वाचन विभाग को 2025 के चुनाव के लिए 2017 में स्वीकृत वार्ड ढांचे को अपनाने के आदेश जारी किए हैं। निर्वाचन विभाग के सूत्रों ने बताया कि इस संबंध में इसी सप्ताह लिखित आदेश जारी कर दिया जाएगा।

मनपा चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा, आज बैठक

- चुनाव अपने दम पर लड़ने की चर्चा की संभावना

ठाणे. भाजपा ने ठाणे और मुंबई में अपने दम पर चुनाव लड़ने की संभावना तलाशनी शुरू कर दी है और इसी के तहत भाजपा ने शुक्रवार को ठाणे में कोंकण संभाग की बैठक आयोजित की है। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के पिछले 11 वर्षों के विकास कार्यों पर चर्चा की जाएगी। भाजपा सूत्रों ने बताया कि आगामी मनपा चुनाव अपने दम पर लड़ने के बारे में भी चर्चा की जाएगी।

यह बैठक ठाणे के रेमंड स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित की जा रही है। इस बैठक में चंद्रशेखर बावनकुले, नितेश राणे, गणेश नाईक, रवींद्र चव्हाण आदि के साथ कोंकण और ठाणे के 14 जिला अध्यक्ष, पूर्व विधायक, 180 से अधिक मंडल अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। भाजपा की ओर से मुंबई में एक सर्वेक्षण कराया गया है। सूत्रों ने बताया कि भाजपा ठाणे में भी इसी तरह का सर्वेक्षण कराएगी। ठाणे जिले में भाजपा की ताकत को देखते हुए भाजपा ने पहले ही आत्मनिर्भरता का नारा दिया है।

> यह कोई चुनावी बैठक नहीं है, यह एक संगठनात्मक बैठक है। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पिछले 11 वर्षों में किए गए विकास कार्यों, संकल्प से सिद्धि तक, की जानकारी दी जाएगी। पदाधिकारियों की जिम्मेदारी होगी कि वे उस जानकारी को जनता तक पहुंचाएं।
>
> **-संदीप लेले,** ठाणे शहर अध्यक्ष,

भाजपा कभी भी ठाणे नगर निगम में सत्ता स्थापित नहीं कर पाई है। पिछले 29 वर्षों से ठाणे में शिवसेना का दबदबा रहा है। 2017 के चुनाव में ठाणे में 23 भाजपा नगरसेवक चुने गए थे। इसके बाद हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा को भारी सफलता मिली। इसीलिए भाजपा ने अब आगामी मनपा चुनावों के लिए मोर्चा बनाना शुरू कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार (आज) को होने वाली बैठक में ठाणे में भाजपा पदाधिकारी आत्मनिर्भरता पर जोर देंगे। नाम न बताने की शर्त पर एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने बताया कि भाजपा मतदाताओं की भावनाओं को जानने के लिए जिला अध्यक्ष और मंडल अध्यक्ष के माध्यम से पूरे कोंकण में लोगों तक पहुंचेगी।

मुफ्त नोटबुक वितरण 8 जून को

उल्हासनगर. श्री गुरुराणी नागकन्या (योगिनी) व श्री जिम्मी नागपुथ्र (योगिराज) ट्रस्ट द्वारा स्कूल के जरूरतमंद बच्चों के लिए निःशुल्क नोटबुक वितरण कार्यक्रम का आयोजन रविवार 8 जून 2025 को सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक शिव लीला गाजरे लेवा हॉल, जिलापरिषद स्कूल के पास, आशेला गांव, उल्हासनगर-4 में आयोजित किया गया है। इस शिविर का लाभ लेने के लिए रजिस्ट्रेशन परम ईश्वर श्री जिम्मी नागपुथ्र योगिराज दरबार में सुबह 10 से 8 बजे तक किया जाएगा। सिर्फ पहली से 10वीं तक के छात्रों के लिए यह शिविर आयोजित किया गया है। छात्र अपनी मार्कशीट, पीला राशन कार्ड व आधार कार्ड आवश्य लाएं। इस शिविर का लाभ लेने की अपील ट्रस्ट द्वारा की गई है। वहीं ट्रस्ट द्वारा 3 से 15 जून तक जांच शिविर का आयोजन परम ईस्वरी श्री गुरुरानी नरगिस नागकन्या (योगिनी चैरिटेबल डायग्नोस्टिक सेंटर में किया गया है। अधिक जानकारी के लिए 9649646618 पर संपर्क करें।

मानेरे गांव में सड़क चौड़ीकरण बाधा बने अतिक्रमण तोड़े गए

कल्याण. कल्याण पूर्व के मानेरे गांव में एक व्यस्त सड़क का काम अतिक्रमण के कारण दो साल से रुका हुआ था। आई वार्ड के सहायक आयुक्त भरत पवार ने मानेरे गांव के ग्रामीणों को विश्वास में लेकर इन व्यस्त सड़कों पर किए गए अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया। इसके चलते इस सड़क पर दो साल से रुका पड़ा चौड़ीकरण और नाले का काम तुरंत शुरू हो गया।

कुछ ग्रामीण सड़क को चौड़ा करने का विरोध कर रहे थे, क्योंकि गांव के नाले की चौड़ाई और सड़कों पर अतिक्रमण जैसे मुद्दे थे। मानेरे गांव के कुछ ग्रामीण इस बात पर नाराजगी व्यक्त कर रहे थे कि अतिक्रमण के कारण एक महत्वपूर्ण सड़क का निर्माण पूरा नहीं हो पा रहा है। अपर आयुक्त योगेश गोडसे और उपायुक्त अवधूत तावड़े के मार्गदर्शन में प्रथम विभाग के सहायक आयुक्त

भरत पवार ने संबंधितों को नोटिस जारी कर सड़क पर से अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए। दो दिन पहले मनपा की एक तोड़फोड़ टीम अचानक जेसीबी लेकर मानेरे गांव में पहुंच गई औक सड़क में बाधा डाल रहे सभी अवैध अतिक्रमणों को हटाना शुरू कर दिया।

आदेश के अनुसार सहायक आयुक्त पवार ने पुलिस सुरक्षा में मानेरे गांव में सड़क चौड़ीकरण में बाधा बन रही 11 झुग्गियों, दुकानों, घरों के सामने बने आश्रय स्थलों और तटबंधों को ध्वस्त करने की कार्रवाई की। शुरुआत में ग्रामीणों ने इस कार्रवाई का कड़ा विरोध किया। गांव में तनाव का माहौल पैदा हो गया। इस तनाव पर ध्यान दिए बिना सहायक आयुक्त पवार ने तोड़फोड़ टीम की मदद से अपनी कार्रवाई पूरी की। यहां एक पुराना भूमिगत सीवर पाया गया, जिसे मुख्य नाले से जोड़ दिया गया ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि बारिश का पानी सड़क पर रुके बिना बह जाए।

सड़क पर अतिक्रमण हटाने के बाद सहायक आयुक्त पवार ने बिना देरी किए तुरंत ठेकेदार को बुलाकर सड़क चौड़ीकरण और जल निकासी का काम कराया। सहायक आयुक्त पवार ने बताया कि सड़क साफ होने के बाद आगे अतिक्रमण रोकने के लिए सीवर का निर्माण कार्य जल्दबाजी में शुरू कर दिया गया।

टेम्पो से सिलेंडर चोरी

- अंबरनाथ पूर्व की घटना
- घटना सीसीटीवी में कैद
- अज्ञात चोर की तलाश जारी

अंबरनाथ. अंबरनाथ में सिलेंडर ले जाने वाले एक टेंपो से चोरों ने दो सिलेंडर चुरा लिए। अंबरनाथ पूर्व के शिवगंगा नगर इलाके में भारत गैस सिलेंडर बांटने वाला एक टेंपो शिवसेना शाखा के पास खड़ा था और जब गैस वितरण कर्मचारी हेमंत वानखड़े सिलेंडर देने एक इमारत में गए तो बाइक सवार दो चोरों ने टेंपो से दो भरे हुए सिलेंडर चुरा लिए और मौके से फरार हो गए। चोरी की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई और इस संबंध में शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर इन चोरों की

पानी की दर बढ़ने की आशंका

एमआईडीसी प्रशासन जलापूर्ति दरें बढ़ाने की तैयारी में

ठाणे. जहां बिजली और पानी की दरें बढ़ रही हैं, वहीं महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) की जल आपूर्ति दरें पिछले 13 वर्षों से नहीं बढ़ी हैं। इससे निगम के जलापूर्ति खर्च और राजस्व के बीच बड़ा अंतर पैदा हो रहा है और इसी को कारण बताते हुए एमआईडीसी प्रशासन जलापूर्ति दर में 10 से 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने की तैयारी कर रहा है।

ठाणे जिले के अधिकांश शहरों को महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम के बारवी बांध से पानी की आपूर्ति की जाती है। एमआईडीसी प्रशासन राज्य भर में विकसित औद्योगिक क्षेत्रों में जलापूर्ति योजनाओं को अद्यतन करने, क्षमता बढ़ाने, जल चैनलों को बदलने, नए जल शोधन संयंत्रों का निर्माण करने, जलाशयों का निर्माण करने और पंपिंग मशीनरी को बदलने जैसे कार्यों पर भी काफी खर्च करता है। एमआईडीसी प्रशासन शहरी बस्तियों के साथ-साथ औद्योगिक जल की आपूर्ति भी करता है। इसलिए, एमआईडीसी इन जल आपूर्ति योजनाओं को क्रियान्वित करने के साथ-साथ उनका रखरखाव और मरम्मत भी करता है। एमआईडीसी की जलापूर्ति योजना पर परिचालन व्यय और वास्तविक राजस्व में कमी को ध्यान में रखते हुए, प्रतिबद्ध देयता 10,332.52 करोड़ रुपये है और प्रस्तावित देयता 9,739.04 करोड़ रुपये है, कुल मिलाकर 20,071.62 करोड़ रुपये है।

2013 से कोई भी दर वृद्धि नहीं

एमआईडीसी ने 2013 से कोई भी दर नहीं बढ़ाई है। जल आपूर्ति दर में मुख्य लागत घटक मुख्य रूप से जल शुल्क और बिजली दरें हैं। इन घटकों की लागत हिस्सेदारी क्रमश: 34 .91 प्रतिशत और 23 .46 प्रतिशत है, जो कुल मिलाकर 58 .37 प्रतिशत है। इसके अलावा, पानी और बिजली की दरें हर साल 10 प्रतिशत बढ़ जाती हैं। इसके परिणामस्वरूप 2013 से निगम के व्यय में 67 प्रतिशत की वृद्धि होने के बावजूद राजस्व में केवल 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इन सभी कारकों और वर्तमान आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए, एमआईडीसी प्रशासन पानी और बिजली की दरों में वार्षिक वृद्धि के अनुरूप पानी की दरों में वार्षिक वृद्धि लागू करने का इरादा रखता है।

मैक्सिलाइफ अस्पताल द्वारा

पुलिसकर्मियों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य शिविर आयोजित

उल्हासनगर. पर्यावरण दिन के उपलक्ष्य में उल्हासनगर शहर के प्रसिद्ध मैक्स लाइफ मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में कल एक विशेष निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। यह शिवि विशेष रूप से उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापुर और सेंट्रल पुलिस स्टेशन के पुलिस कर्मियों के लिए आयोजित किया गया, जो निरंतर नागरिकों की सुरक्षा और सेवा में तैनात रहते हैं। करीब 100 लोगों ने इस शिविर का लाभ उठाया

शिविर के दौरान पुलिस उप आयुक्त सचिन गोरे, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शंकर आव ताड़े और बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। मैक्सिलाइफ अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने उपस्थित कर्मियों की ब्लड प्रेशर, शुगर, ईसीजी, बीएमआई, हृदय स्वास्थ्य और सामान्य स्वास्थ्य की जांच की। शिविर में आधुनिक जांच उपकरणों के माध्यम से सभी सेवाएं प्रदान की गईं।

इस अवसर पर अस्पताल के संचालक महेश मूले ने कहा कि "जो लोग हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं, उनकी सेहत का ध्यान रखना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। पर्यावरण दिवस के अवसर पर इस शिविर के माध्यम से हम यह संदेश देना चाहते हैं कि स्वस्थ शरीर और स्वच्छ पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं।"

मानसिक तनाव के चलते युवक ने की आत्महत्या

टिटवाला. मानसिक तनाव और पारिवारिक आर्थिक समस्याओं के कारण 20 वर्षीय युवक ने अपने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना सोमवार मध्य रात्रि को टिटवाला क्षेत्र के बनेली गांव में घटी। आत्महत्या करने वाले युवक का नाम अली मोहम्मद हुसैन शेख (उम्र 20) है। अली मोहम्मद का परिवार काम के लिए मुंबई के भायखला गया था। सोमवार रात अली घर पर अकेला था। उसने घर का दरवाज़ा अंदर से बंद कर लिया। मंगलवार दोपहर 12:30 बजे जब उसकी बहन जरीना घर लौटी तो दरवाजा नहीं खुला। काफी देर तक प्रयास करने के बाद भी कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर परिचितों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया। अंदर जाने पर अली मोहम्मद ने पंखे से फांसी लगा ली थी। घटना की सूचना तुरंत टिटवाला पुलिस स्टेशन को दी गई।

पुलिस सूत्रों के अनुसार अली का परिवार बकरे का मांस बेचने का व्यवसाय करता था। मां और बहन मुंबई में काम कर रही थीं, जबकि पिता का फिलहाल नशा मुक्ति केंद्र में इलाज चल रहा है। अली घर के लिए जिम्मेदार था, लेकिन वह काम नहीं करता था। पुलिस ने अनुमान लगाया है कि अवसाद के कारण उसने आत्महत्या कर ली।

रिजेंसी एंटीलिया में कचरा प्रबंधन के लिए बायोगैस प्लांट का अनावरण

उल्हासनगर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार को उल्हासनगर शहर में पहले कचरा प्रबंधन बायोगैस प्लांट का अनावरण शहर हुआ। जहां उद्योगपति महेश अग्रवाल, उद्धव रूपचंदानी, अनिल बठिजा व अन्य रिजेंसी एंटीलिया के रहिवासी व प्रबंधक उपस्थित थे।

यह बायोगैस प्लांट डेवलपर रीजेंसी एंटीलिया कॉम्प्लेक्स में बनाया गया है, कॉम्प्लेक्स में रहने वाले सैकड़ों फ्लैट धारकों का कचरा अब मनपा की डंपिंग साइट पर नहीं जाएगा। इस प्रक्रिया के माध्यम से बायोगैस और बिजली का उत्पादन किया जाएगा, जिसका उपयोग प्लांट को चलाने और कॉम्प्लेक्स में स्थापित अन्य उपयोगिता सेवाओं के लिए बिजली की जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाएगा।

यह प्लांट प्रतिदिन 4,000 किलोग्राम कचरे को प्रोसेस कर सकता है। उत्पन्न गैस से पूरा प्लांट चलेगा और प्रतिदिन 200 से 250 यूनिट बिजली पैदा होगी, जिससे कॉम्प्लेक्स के अंदर की उपयोगिताएँ कुशलतापूर्वक चल सकेंगी। इसके अतिरिक्त, परिसर में स्थित गौशाला के गोबर का भी उपयोग इस संयंत्र में गैस बनाने के लिए किया जाएगा।

डोंबिवली-अंबरनाथ हाईवे कीचड़मय

अंबरनाथ. सड़कों की अधूरी सीमेंट कंक्रीटिंग ने मानसून के मौसम में वाहन चालकों के लिए सिरदर्द बढ़ा दिया है। डोंबिवली-अंबरनाथ और खोनी-तलोजा राजमार्ग कीचड़युक्त हो गए हैं। इससे वाहनों के फिसलने से दुर्घटनाएं हो रही हैं। सड़क का काम किया गया; लेकिन किनारे पर पड़े मलबे को नहीं उठाया गया। इसलिए यह मिट्टी सड़क पर फैल गई है।

एमआईडीसी प्रशासन राजमार्गों पर सीमेंट कंक्रीटिंग का काम कर रहा है। डामर की सड़कें खोदी जा रही हैं और उनकी जगह सीमेंट की सड़कें बनाई जा रही हैं। सड़कें खोदने के बाद, डामर मिश्रित मलबा और उत्खनन से निकली मिट्टी को सड़क के किनारे डाल दिया जाता है। हालांकि सड़क का काम पूरा हो चुका है, लेकिन मिट्टी और मलबा अभी तक नहीं हटाया गया है।

बारिश से सड़क के किनारे की मिट्टी बहकर सड़क पर फैल गई है। इससे सड़क पर कीचड़ हो गया है। डोंबिवली-अंबरनाथ राजमार्ग और खोनी तलोजा राजमार्ग पर जगह-जगह गाद जमा होने के कारण दुर्घटनाओं का सिलसिला शुरू हो गया है। एमआईडीसी के पास इस कीचड़ को हटाने की कोई व्यवस्था नहीं है, दूसरी ओर कई स्थानों पर सीवर न होने से राजमार्ग कीचड़मय हो गए हैं।

दिनभर हल्की बारिश के कारण कीचड़ हो रहा है। इस कीचड़ में बाइक सवार फिसलकर दुर्घटनाएं हो रही हैं। सड़कों के किनारे डाली गई मिट्टी को बरसात से पहले उठाया जाना था; हालाँकि, आज यह स्थिति इसलिए उत्पन्न हुई है क्योंकि इसे हटाया नहीं गया।

रेलवे कर्मचारी ने पेट्रोल पंप दिलाने का दावा कर 21 लाख ठगे

कल्याण. पीएचडी डिग्री प्राप्त एक महिला से मध्य रेलवे के एक तकनीशियन और उसकी पत्नी ने पेट्रोल पंप दिलाने का वादा करके किस्तों में 21 लाख रुपये ऐंठ लिए। इसके बाद इस महिला को न तो पेट्रोल पंप मिला, न ही 21 लाख रुपये भी लौटाए। धोखाधड़ी के बाद महिला ने रविवार को कल्याण के कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

इस प्रकार की धोखाधड़ी पिछले पांच वर्षों में हुई है। इस महिला व्यवसायी की उत्तर प्रदेश में एलपीजी वितरण एजेंसी है। इस व्यवसायी महिला का पति मध्य रेलवे में वरिष्ठ पद पर कार्यरत है। परिवार कल्याण पूर्व के तीसगांव इलाके में रहता है। व्यवसायी महिला के पति, जो एक वरिष्ठ रेलवे अधिकारी थे, नवी मुंबई के सानपाड़ा रेलवे वर्कशॉप में काम करने वाले एक तकनीशियन से परिचित थे। दोनों परिवारों का परिचय रेलवे में नौकरी के माध्यम से हुआ था। फरवरी 2019 में एक रेलवे तकनीशियन और उसकी पत्नी कल्याण स्थित व्यवसायी के घर आए थे। उन्होंने महिला को पेट्रोलियम मंत्री से पहचान होने का दावा करते हुए पेट्रोल पंप लाइसेंस और लुब्रिकेंट बिक्री लाइसेंस दिलाने का आश्वासन दिया.

जुलाई 2019 में एक रेलवे तकनीशियन ने महिला व्यवसायी और उसके पति से कहा कि पेट्रोल पंप दिलाने के लिए 50 लाख रुपये खर्च होंगे। महिला व्यवसायी ने बीस लाख रुपए देने की इच्छा जताई। रेलवे टेक्नीशियन ने पेट्रोल पंप पर कब्जा लेने के बाद शेष राशि देने की बात कही। महिला कारोबारी ने रेलवे टेक्नीशियन और उसकी पत्नी को नकद और ऑनलाइन कुल 21 लाख दो हजार रुपये थमा दिए। इसके बाद टेक्निशियन ने महिला कारोबारी से कहा कि 21 लाख में हमने आपका काम नहीं किया तो हम ठाणे के रायलदेवी, वारलीपाड़ा इलाके में हमारे फ्लैट के मूल दस्तावेज आपके पास गिरवी रख देंगे।

बाद में महिला व्यवसायी और उसके पति ने रेलवे तकनीशियन से कहा कि हमें पेट्रोल पंपों के लिए वितरण एजेंसी नहीं चाहिए, कृपया हमारे पैसे वापस कर दीजिए। इसके बाद वे टालमटोल करने लगे. महिला व्यवसायी को पता चला कि डोंगरी पुलिस स्टेशन में एक रेलवे तकनीशियन के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। जिसके बाद महिला ने कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई.

> जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं। - वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

ट्रम्प और मस्क की दोस्ती में दरार

अमेरिकी अरबपति एलन मस्क और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राहें अब अलग हो गई हैं। इस बार मुद्दा भारी-भरकम खर्च को लेकर है। मस्क लागत में कटौती और दक्षता में सुधार के लिए सरकारी प्रयासों की अगुआई कर रहे थे। उन्होंने सरकारी विभागों में कर्मचारियों की संख्या और खर्च में कटौती की वकालत की। दरअसल, ट्रंप ने राष्ट्रपति पद संभालने से पहले ही मस्क को यह अहम जिम्मेदारी सौंप दी थी। तब ट्रंप और मस्क की गहरी मित्रता से लगा था कि अमेरिका नए रास्ते पर चल पड़ा है। मगर मार्ग में बाधाएं तब आनी शुरू हुईं, जब मस्क के कई फैसलों का अमेरिका में विरोध होने लगा।

वहीं ट्रंप की नीतियों से उनके कारोबारी हित भी टकराने लगे। उनके बीच दोस्ती में पहली दरार तब दिखी, जब ट्रंप ने कृत्रिम मेधा से जुड़ी पांच सौ अरब डालर की योजना कुछ निवेशकों के साथ पेश की। इसके बाद मतभेद बढ़ते चले गए। फिलहाल ताजा टकराव भारी-भरकम सरकारी खर्च पर है। इससे बजट घाटा बढ़ने का खतरा बताते हुए मस्क ने तीखे सवाल उठाए हैं।

मस्क हमेशा विवादों में रहे। उनका कई मंत्रियों से नीतिगत विवाद हुआ। वहीं उनके आक्रामक कदम से ट्रंप प्रशासन में भी तनाव दिखा। सरकारी कर्मियों की छंटनी करने का खासा विरोध हुआ। इससे कर्मचारियों में असंतोष बढ़ा। मस्क की नीतियों से चिंतित ट्रंप को कहना पड़ा कि नौकरियों के मामले सरकार की चलेगी, न कि मस्क की। दरअसल, उनके फैसलों पर विवाद बढ़ने से ट्रंप प्रशासन की साख पर असर पड़ने लगा था। मतभेद यहीं तक सीमित नहीं था। आव्रजन नीति को बदलने या इसे खत्म करने के मुद्दे पर मस्क सहमत नहीं थे।

उनके दबाव में पहली बार इस मसले पर ट्रंप को झुकना पड़ा था। उन्हें कहना पड़ा कि एच वन बी वीजा उनको पसंद है। कुछ समय पहले शुल्क और व्यापार के मसले पर भी उनके बीच मतभेद गहरा गए थे। ट्रंप के ठेस पहुंचाने वाले बयानों से भी मस्क का मोहभंग हुआ। सवाल है कि क्या अब मस्क के विरोध और सरकारी जिम्मेदारी छोड़ कर अलग हो जाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप मनमाने फैसले करने और बड़बोलेपन से बचने का प्रयास करेंगे!

आर्थिक विकास और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता

हर बार आप जब परिवहन के अन्य साधनों के बजाय रेलगाड़ी से यात्रा करने का चुनाव करते हैं, तो केवल आराम या सुविधा ही नहीं चुन रहे होते। आप एक स्वच्छ एवं हरित भारत को भी चुन रहे होते हैं। पिछले वर्ष 700 करोड़ से अधिक लोगों ने यात्रा के साधन के रूप में भारतीय रेल को चुना। रेल हमारी जीवन रेखा है और भविष्य के लिए एक हरित वादा भी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर भारतीय रेलवे सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है। रेलवे देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए पंचामृत लक्ष्यों-2070 तक शून्य उत्सर्जन को साकार करने में सहायता कर रहा है और एक बहुआयामी दृष्टिकोण के माध्यम से इसे संभव बना रहा है। यातायात को सड़क से रेल की ओर स्थानांतरित करके और स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा स्रोतों के साथ परिचालन को शक्ति प्रदान करके इस दिशा में बढ़ रहा है। ये कदम देश को बड़े पैमाने पर अर्थव्यवस्था को विकार्बनित (डीकार्बोनाइज) करने में सहायता प्रदान कर रहे हैं।

यात्रा सेवाओं के साथ ही माल ढुलाई में भी रेलवे की महत्ता समय के साथ बढ़ती जा रही है। 2013-14 में भारतीय रेल ने लगभग 105.5 करोड़ टन माल की ढुलाई की। 2024-25 के दौरान यह ढुलाई बढ़कर 161.7 करोड़ टन हो गई है। इससे भारतीय रेलवे दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा माल ढोने वाला रेलवे बन गया है। विशेषज्ञों द्वारा की गई गणनाओं का उपयोग करते हुए सड़क के बजाय रेल के जरिये माल ढुलाई से संबंधित इस बदलाव ने 14.3 करोड़ टन से अधिक कार्बन

डाईआक्साइड के उत्सर्जन को रोकने में मदद की है।

यह 121 करोड़ पेड़ लगाने जैसा है। रेल द्वारा माल परिवहन की लागत सड़क मार्ग से होने वाले परिवहन की लागत की लगभग आधी है। इसका अर्थ है कि न केवल व्यवसायों, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी बचत। इस बदलाव से पिछले दशक में लाजिस्टिक्स की लागत में 3.2 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है। भारतीय रेल स्वच्छ भी है और ट्रकों की तुलना में इससे 90 प्रतिशत कम कार्बन डाईआक्साइड का उत्सर्जन होता है। परिणामस्वरूप हमारे आसमान में कम धुआं निकलता है और हमें स्वच्छ हवा मिलती है।

सड़क से रेल की ओर होने वाले इस बदलाव ने हमें 2,857 करोड़ लीटर डीजल की बचत कराई है, जो ईंधन लागत में लगभग दो लाख करोड़ रुपये की बचत के बराबर है। चूंकि भारत तेल आयात करता है, इसलिए परिवहन क्षेत्र का विद्युतीकरण करना रणनीतिक रूप से एक समझदारी भरा कदम है, ताकि आयात पर निर्भरता कम हो। 2014 से पहले के 60 वर्षों में भारतीय रेल ने 21,000 किलोमीटर रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया। जबकि पिछले 11 वर्षों के दौरान हमने 47,000 किमी रेल मार्ग का विद्युतीकरण किया है। आज हमारे ब्राड गेज नेटवर्क का 99 प्रतिशत हिस्सा विद्युतीकृत है। भारतीय रेल स्टेशनों, कारखानों और कार्यशालाओं के लिए हरित ऊर्जा का उपयोग तेजी से कर रहा है।

अब यह रेलगाड़ियों के परिचालन के लिए अधिक हरित ऊर्जा प्राप्त करने हेतु राज्यों के साथ मिलकर काम कर रहा है। यह सब भारत को शुद्ध शून्य उत्सर्जन के अपने लक्ष्य को हासिल करने में सहायता देगा। इस गति को आगे बढ़ाते हुए डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर (डीएफसी) को विद्युतीकृत किया गया है। उच्च क्षमता वाली रेलवे लाइनें भी हैं, जिन्हें विशेष रूप से माल परिवहन के लिए डिजाइन किया गया है।

कुल 2,741 किमी परिचालन के साथ डीएफसी ने सड़कों पर भीड़भाड़ कम की है और डीजल की खपत एवं कार्बन उत्सर्जन को भी घटाया है। भारत हाइड्रोजन संचालित ट्रेन जैसी आधुनिक, शून्य-उत्सर्जन तकनीक भी अपना रहा है। पहली ट्रेन हरियाणा के जींद और सोनीपत के बीच चलेगी और 2,600 यात्रियों को ले जाएगी। यह दुनिया की सबसे शक्तिशाली और सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन होगी।

भारत यह साबित कर रहा है कि आर्थिक विकास और पर्यावरण को लेकर प्रतिबद्धता की जिम्मेदारी एक साथ निभाई जा सकती है और ऐसा होना भी चाहिए। विश्व बैंक के लाजिस्टिक्स परफार्मेंस इंडेक्स 2023 के अनुसार भारत अब 139 देशों में 38वें स्थान पर है, जो 2014 की तुलना में 16 स्थान ऊपर है।

प्रभु के प्रेम को अनुभव करने के लिए जो कुछ भी हमें चाहिए, वो हम में से हर एक के लिए उपलब्ध कराया गया है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

न्यायपालिका के साख पर सवाल

लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज में शुचिता और पारदर्शिता प्राथमिक शर्त है। मगर राजनीतिक नफे-नुकसान के गणित में सरकारों ने सबसे अधिक कमजोर इन्हीं संस्थाओं को किया है। शायद ही कोई संवैधानिक संस्था बची है, जो भ्रष्टाचार और कदाचार की जकड़बंदी से मुक्त हो। फिर भी जब इन संस्थाओं के भीतर से ही शुचिता लाने के संकल्प उभरते हैं, तो स्वाभाविक रूप से बेहतरी की उम्मीद बनती है। देश की न्यायपालिका में भी भ्रष्टाचार के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं। निचली अदालतों पर तो ऐसे आरोप आम रहे हैं, पर ऊपरी अदालतों में भी पिछले कुछ वर्षों से ऐसे मामले सामने आए हैं, जिससे न्यायपालिका की साख पर सवाल उठने लगे हैं।

ऐसे में प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने इस समस्या को साफगोई से स्वीकार किया और इसे दूर करने का संकल्प दोहराया है, तो सकारात्मक नतीजों का भरोसा बनता है। ब्रिटेन के उच्चतम न्यायालय में आयोजित एक गोलमेज सम्मेलन में न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और कदाचार की घटनाओं से जनता का भरोसा टूटता है। दुख की बात है कि न्यायपालिका के भीतर भी भ्रष्टाचार और कदाचार के मामले सामने आए हैं। यह बात उन्होंने

दिल्ली में न्यायाधीश यशवंत वर्मा के घर से बरामद जली नगदी नोटों के संदर्भ में कही।

प्रधान न्यायाधीश ने भारतीय न्यायपालिका के भीतर जड़ें जमा रही या जमा चुकी उन सभी समस्याओं को बड़े साफ शब्दों में स्वीकार किया, जिन्हें लेकर अंगुलियां उठती रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में उच्चतम न्यायालय और कुछ उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के राजनीतिक दबाव में या निजी स्वार्थ साधने के मकसद से फैसले सुनाने को लेकर काफी असंतोष जाहिर किया जाता रहा है। कुछ न्यायाधीशों ने सेवामुक्त होने के तुरंत बाद सरकारी पद स्वीकार कर लिया, तो कुछ चुनावी मैदान में उतर गए। इसे किसी भी रूप में नैतिक नहीं माना गया। हालांकि अब उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों ने संयुक्त रूप से संकल्प लिया है कि वे सेवानिवृत्ति के बाद कोई सरकारी पद स्वीकार नहीं करेंगे, न इस्तीफा देकर चुनाव लड़ेंगे। इससे यह उम्मीद तो बनी है कि शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश सत्ता के किसी दबाव में आकर कोई फैसला सुनाने से बच सकेंगे। राजनीतिक लोभ और दबाव से मुक्त हुए बिना न्यायपालिका सही अर्थों में अपने दायित्व का निर्वाह नहीं कर सकती। इसलिए प्रधान न्यायाधीश का इस दिशा में प्रयास सराहनीय है।

लोकतंत्र में न्यायपालिका पर लोगों का भरोसा इसलिए भी बने रहना बहुत जरूरी है कि यही एक स्तंभ है, जिस पर संविधान की रक्षा का दायित्व और राजनीतिक तथा व्यवस्थागत कदाचार पर नकेल कसने का अकूत अधिकार है। यह भी अनुभव जगजाहिर है कि जब भी न्यायपालिका कमजोर दिखती है, तो सत्ता पक्ष की मनमानियां बढ़ती जाती हैं। इसीलिए न्यायाधीशों का व्यक्तिगत आचरण बहुत मायने रखता है। मगर पिछले कुछ वर्षों में इस तकाजे को जैसे भुला दिया गया है।

कुछ न्यायाधीशों के सुर्खियां बटोरने के लोभ की वजह से न्यायिक सक्रियता का सवाल भी उठता रहा है। कोलेजियम प्रणाली और न्यायाधीशों की नियुक्ति में पक्षपात आदि के आरोप भी सुगबुगाते रहे हैं। इन सभी पहलुओं पर प्रधान न्यायाधीश ने बड़ी बेबाकी से बात की और उन्हें दुरुस्त करने का भरोसा दिलाया है। निस्संदेह इससे बहुत सारे लोगों की उम्मीदें बलवती होंगी। पर देखने की बात होगी कि ये संकल्प जमीन पर कितना उतर पाते हैं।

मुंबई में ऑटो ड्राइवर कमा रहा 8 लाख महीना

यह अविश्वसनीय कहानी मुंबई के एक ऑटो ड्राइवर की है. उसने कमाई का ऐसा नायाब तरीका निकाला,

जरा हट के

जिसे सुनकर होश उड़ गए. ऑटो ड्राइवर ने ना कोई ऐप बनाया है और ना कोई बड़ी डिग्री हासिल की है. ना किसी ऑफिस में वह नौकरी करता है. फिर भी हर महीने बिना ऑटो चलाए 5 से 8 लाख रुपये की कमाई कर रहा है. दरअसल, ऑटो ड्राइवर अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर खड़े अपना ऑटो खड़ा रखता है. वहां रोजाना हजारों लोग वीज़ा इंटरव्यू के लिए आते हैं. दूतावास में बैग लेकर जाना मना है और वहां पर लॉकर की सुविधा भी नहीं है. इस समस्या का हल ऑटो ड्राइवर ने निकाला है. यहां पर आने वाला कोई भी व्यक्ति जब परेशान दिखता है, तो ऑटो ड्राइवर बड़ी सादगी से उसे ऑफर देता है. लेंसकार्ट के प्रोडक्ट लीडर राहुल रुपानी ने लिंकडिन पर

ऑटो ड्राइवर की कहानी शेयर की है.

उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, 'मैं एक दिन वीजा इंटरव्यू के लिए अमेरिकी वाणिज्य दूतावास पहुंचा था. सुरक्षाकर्मियों ने बैग अंदर ले जाने से मना कर दिया. लॉकर की सुविधा भी नहीं था. मेरे पास कोई विकल्प नहीं था, तभी वहां एक ऑटो ड्राइवर आया. उसने मुझसे कहा कि सर! बैग दे दीजिए. सुरक्षित रखूंगा. मेरा रोज का काम है. बस आपको सिर्फ 1000 हजार रुपये चार्ज देना होगा.'

ऑटो ड्राइवर दूतावास के बाहर रोजाना ऑटो लाकर पार्क कर देता है. बैग सुरक्षित रखने के एवज में प्रति कस्टमर 1000 रुपये लेता है. रोजाना 20 से 30 ग्राहक उसे मिलते हैं. ऐसे में ऑटो ड्राइवर रोजाना करीब 20,000 से 30,000 की कमाई करता है. महीने में बिना ऑटो चलाए ऑटो ड्राइवर 5 से 8 लाख रुपये कमा लेता है.

रुपानी ने अपनी पोस्ट में आगे बताया, 'चूंकि कानूनी रूप से इतने 30 बैग नहीं रख सकता इसलिए ऑटो ड्राइवर ने स्थानीय पुलिस अफसर से पार्टनरशिप कर रखी है. पुलिस अफसर के पास लॉकर की सुविधा है. बैग वहीं पर भेजे जाते हैं और सुरक्षित रखे जाते हैं. बिना परेशानी वाली सुविधा. ऑटो तो बस ग्राहक खोजने का जरिया है.'

वेज सोया कीमा

खाना-खजाना

क्या आप रोज-रोज एक ही तरह का खाना खाकर बोर हो गए हैं? क्या आपको कुछ नया, टेस्टी और पौष्टिक बनाने का मन कर रहा है? अगर हां, तो आज हम आपके लिए लेकर आए हैं एक ऐसी लाजवाब रेसिपी वेज सोया कीमा, जिसे बनाना जितना आसान है, खाना उतना ही मजेदार।

सामग्री :

- सोया ग्रेन्यूल्स (बारीक दाने वाला) - 1 कप
- बारीक कटा प्याज - 1
- बारीक कटा टमाटर - 1
- अदरक-लहसुन का पेस्ट - 1 चम्मच
- हरी मिर्च - 1-2
- शिमला मिर्च - 1/2
- मटर - 1/4 कप
- हल्दी पाउडर - 1/2 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर - 1/2 चम्मच
- धनिया पाउडर - 1 चम्मच
- गरम मसाला - 1/2 चम्मच
- नमक - स्वादानुसार
- तेल - 2-3 बड़े चम्मच
- हरा धनिया

विधि :

सबसे पहले सोया ग्रेन्यूल्स को

गरम पानी में 10-15 मिनट के लिए भिगो दें। जब यह नरम हो जाए तो इसे अच्छी तरह निचोड़ कर सारा पानी निकाल दें। इसके बाद एक कड़ाही में तेल गरम करें। गरम होने पर इसमें बारीक कटा प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अब अदरक-लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च डालकर 1 मिनट तक भूनें। इसके बाद हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और धनिया पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं और कुछ सेकंड के लिए भूनें। अब बारीक कटा टमाटर डालें और नरम होने तक पकाएं। अगर आप शिमला मिर्च और मटर डाल रहे हैं तो इसी समय डालकर 2-3 मिनट तक भूनें। निचोड़ा हुआ सोया ग्रेन्यूल्स डालें और अच्छी तरह मिला लें। नमक और गरम मसाला डालकर 2-3 मिनट तक भूनें ताकि मसाले सोया में अच्छे से मिल जाएं। अगर आपको थोड़ा ग्रेवी वाला कीमा पसंद है तो आधा कप पानी डालकर धीमी आंच पर 5 मिनट तक पकाएं। बस फिर गैस बंद कर दें और बारीक कटे हरे धनिये से गार्निश करके गरमागरम

लाल पत्ता गोभी में सेहत की संजीवनी शक्ति

- **हार्ट-किडनी-लिवर हर अंग पर असर**
- **कुछ ही दिनों बड़ा परिणाम**

बीबीसी गुड फूड के मुताबिक 80 ग्राम रेड कैबेज में 0 .6 ग्राम प्रोटीन, 0 .2 ग्राम फैट, 104 मिलीग्राम पोटैशियम, 1.8 ग्राम फाइबर, 25 माइक्रोग्राम फॉलेट और 26 मिलीग्राम विटामिन सी पाया जाता है. ऐसे में अगर दिन में 80 ग्राम रेड कैबेज का भी सेवन कर लिया तो इससे आपको बीमारियों से बचाने की अधिकांश चीजें मिल जाएगी. रेड कैबेज में एंथोसाइनिन नाम का कंपाउड पाया जाता है जो एंटीऑक्सीडेंट्स गुणों से भरपूर होता है .यह कोशिकाओं में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को रोकता है जिससे कई बीमारियों से रक्षा होती है. क्योंकि कैंसर समेत कई तरह के मेटाबोलिक डिजीज का कारण फ्री रेडिकल्स और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस ही है.

रेड कैबेज के 5 बड़े फायदे

1. इम्यूनिटी मज़बूत बनाती है- रेड कैबेज विटामिन सी का बहुत अच्छा स्त्रोत है. यह शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ाने में सहायक है. यह विटामिन सफेद रक्त कोशिकाओं के निर्माण में मदद करता है, जो शरीर को संक्रमण और बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं. नियमित रूप से रेड कैब्ज का सेवन करने से सर्दी, खांसी और वायरल संक्रमण से बचाव हो सकता है.

2. कैंसर और हार्ट डिजीज से बचाव- रेड कैबेज में एंथोसायनिन नामक एक शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट पाया जाता है जो इसे लाल-बैंगनी रंग देता है. यह एंटीऑक्सिडेंट फ्री रेडिकल्स को निष्क्रिय करता है, जिससे कोशिकाओं को नुकसान नहीं पहुंचता और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा कम होता है. यह हृदय की धमनियों को भी स्वस्थ रखने में मदद करता है, जिससे ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है. फ्री रेडिकल्स के कम होने से लिवर में इंफ्लामेशन नहीं होता, किडनी का फंक्शन मजबूत होता है और हार्ट में शक्ति बढ़ती है. कई बीमारियों की प्रमुख वजह फ्री रेडिकल्स से उत्पन्न ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस है.

3. हड्डियों को मजबूत बनाती है- रेड कैबेज में विटामिन के और कैल्शियम प्रचुर मात्रा में होता है जो हड्डियों की मजबूती के लिए जरूरी हैं. यह विशेष रूप से महिलाओं के लिए फायदेमंद है, क्योंकि उनमें उम्र के साथ ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ जाता है. रेड कैब्ज का सेवन हड्डियों के घनत्व को बनाए रखने में मदद करता है.

4. वजन घटाने में सहायक- रेड कैब्ज में फाइबर की मात्रा अधिक होती है और कैलोरी बहुत कम होती है. यह पेट को देर तक भरा हुआ महसूस कराती है, जिससे अनावश्यक खाने की इच्छा कम होती है. फाइबर पाचन क्रिया को भी सुधारता है और शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है.

5. त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद- रेड कैब्ज में विटामिन ए और एंटीऑक्सिडेंट्स त्वचा को चमकदार और युवा बनाए रखने में मदद करते हैं. यह त्वचा को फ्री रेडिकल्स के असर से बचाता है, जिससे झुर्रियों और उम्र के अन्य लक्षणों से बचाव होता है. इसके अलावा इसमें मौजूद सल्फर बालों को मजबूत और चमकदार बनाता है.

आज का राशिफल

मेष : आय बनी रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में सहकर्मी विरोध कर सकते हैं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, धैर्य रखें। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। भाइयों से कहासुनी हो सकती है।

वृषभ : नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पिछले लंबे समय से रुके कार्य बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। व्यापार लाभदायक रहेगा। प्रयास करें। कोर्ट व कचहरी में लाभ की स्थिति बनेगी।

मिथुन : रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। भूमि व भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। मातहतों का सहयोग मिलेगा। कर्ज की रकम चुका पाएंगे। प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे। आलस्य न करें। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क : व्यापार ठीक चलेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक जीवन सुख-शांति से बीतेगा। प्रसन्नता रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। वाणी पर संयम रखें। अनहोनी की आशंका रहेगी।

सिंह : व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। दूसरों को कार्य में हस्तक्षेप न करें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। बेवजह दौड़धूप रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई शोक समाचार मिल सकता है। अपेक्षित कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है।

कन्या : निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नए काम करने की इच्छा बनेगी। प्रसन्नता रहेगी। सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। मनोरंजन का वक्त मिलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें।

तुला : व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। मित्रों तथा पारिवारिक सदस्यों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। शत्रुओं का पराभव होगा। प्रमाद न करें।

वृश्चिक : प्रसन्नता रहेगी। भाग्य अनुकूल है। लाभ लें। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। रोजगार प्राप्ति होगी। किसी बड़ी समस्या का हल निकलेगा। प्रमाद न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु : लाभ होगा। लाभ में कमी रह सकती है। नौकरी में कार्यभार रहेगा। आलस्य न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। यात्रा में कोई चीज भूलें नहीं। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। लापरवाही न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें।

मकर : व्यापार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। व्यवसाय में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। किसी अपने का व्यवहार दु:ख पहुंचाएगा। कानूनी समस्या हो सकती है।

कुंभ : प्रसन्नता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। आय में वृद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। प्रमाद न करें। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। योजना फलीभूत होगी। किसी बड़ी समस्या का हल एकाएक हो सकता है।

मीन : रुके कार्यों में गति आएगी। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। कानूनी सहयोग मिलेगा। लाभ में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ रहेगा। थकान महसूस हो सकती है। आलस्य हावी रहेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

पानी में मिलाकर पिएं सेब का सिरका

- **पिघल जाएगी पेट की चर्बी**
- **बनेंगे स्लिम-ट्रिम**

पेट की चर्बी बेहद जिद्दी होती है और इसे कम करना काफी मुश्किल माना जाता है. कई लोग पेट की चर्बी कम करने के लिए रनिंग करते हैं, तो कुछ लोग जिम में जाकर पसीना बहाते हैं. हालांकि पेट की चर्बी कम करने में एक घरेलू नुस्खा बेहद कारगर हो सकता है. अगर आप सेब का सिरका यानी एप्पल साइडर विनेगर (ACV) का सही तरीके से सेवन कर लें, तो पेट की चर्बी मक्खन की तरह पिघल सकती है और आपकी फिटनेस में चार चांद लग सकते हैं. सुबह खाली पेट एक गिलास गुनगुने पानी में 1-2 चम्मच सेब का सिरका मिलाकर पीने से कमाल हो सकता है.

सेब के सिरके में मौजूद एसीटिक एसिड शरीर की मेटाबोलिक प्रक्रिया को तेज करता है, जिससे कैलोरी तेजी से बर्न होती हैं. यह एसिड फैट जमा करने की प्रक्रिया को धीमा करता है और शरीर में पहले से जमा फैट को एनर्जी में बदलने में मदद करता है. सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस करता है, जिससे दिनभर कम भूख लगती है और ओवरईटिंग से बचा जा सकता है. पेट की चर्बी कम करने के अलावा एप्पल साइडर विनेगर का नियमित सेवन पाचन क्रिया को भी सुधारता है. यह पाचन एंजाइम्स के उत्पादन को

बढ़ाता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है.

इसके अलावा पानी में सेब का सिरका मिलाकर पीने से आंतों की सफाई हो सकती है, जिससे शरीर में टॉक्सिन्स नहीं जमते और पेट हल्का महसूस होता है. बेहतर पाचन का सीधा असर मेटाबोलिज्म पर पड़ता है, जिससे वजन घटाने की प्रक्रिया तेज होती है. ACV का एक और महत्वपूर्ण फायदा यह है कि यह ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखने में मदद करता है. जब आप हाई-कार्ब फूड खाते हैं, तो शरीर में शुगर लेवल तेजी से बढ़ सकता है. लेकिन सेब का सिरका उस स्पाइक को कम करने में मदद करता है. यह डायबिटीज के मरीजों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद हो सकता है, लेकिन इसका सेवन डॉक्टर की सलाह पर ही करें.

सेब का सिरका कोलेस्ट्रॉल कम करने में सहायक होता है. इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स खराब कोलेस्ट्रॉल (LDL) को कम करके अच्छे कोलेस्ट्रॉल (HDL) को बनाए रखते हैं. इससे दिल की सेहत भी सुधरती है. इसके अलावा यह सूजन को कम करता है, जो पेट की चर्बी बढ़ाने का एक छिपा कारण होता है. सूजन घटने से वजन भी धीरे-धीरे कम होने लगता है. हालांकि सेब के सिरके का सेवन करते समय कुछ सावधानियां जरूरी हैं. इसे कभी भी सीधे न पिएं, क्योंकि इसमें एसिड होता है जो दांतों की परत और पेट की अंदरूनी सतह को नुकसान पहुंचा सकता है. इसे हमेशा पानी में मिलाकर ही पिएं और दिन में एक बार से ज्यादा न लें.

फिटकरी के फायदेमंद और आसान उपयोग

सिर्फ स्किन के लिए ही नहीं, फिटकरी के और भी कई फायदेमंद और आसान उपयोग हैं, जो आपकी रोजमर्रा की परेशानियों को हल कर सकते हैं. इस आर्टिकल में हम आपको फिटकरी के 5 ऐसे असरदार और सरल इस्तेमाल बताएंगे, जिनसे आपका स्वास्थ्य और सफाई का काम दोनों आसान हो जाएगा. जानिए कैसे फिटकरी आपके लिए एक छोटा मगर काम का चमत्कार साबित हो सकती है!

पानी को शुद्ध करने में- फिटकरी का सबसे आम उपयोग पानी को साफ और शुद्ध करने में किया जाता है. यह पानी में मौजूद गंदगी और अशुद्धियों को जमा करके उन्हें तलछट में बदल देता है. फिटकरी का उपयोग ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में पानी शुद्ध करने के लिए किया जाता है.

त्वचा और घावों के इलाज में- एलम का उपयोग त्वचा संबंधी समस्याओं के इलाज में किया जाता है. यह घावों को जल्दी भरने, मुंहासों को कम करने और त्वचा को टोन करने में मदद करता है. शेविंग के बाद ब्लीडिंग रोकने के लिए एलम का इस्तेमाल आम है.

मुंह की सफाई और दांतों के लिए- एलम का उपयोग माउथवॉश के रूप में किया जाता है. यह मुंह के छालों को ठीक करने, दांतों की समस्याओं को कम करने और मसूड़ों को मजबूत बनाने में मदद करता है. फिटकरी पानी में मिलाकर कुल्ला करने से दांतों की सफेदी बनी रहती है.

डियोडरेंट के रूप में- एलम का उपयोग प्राकृतिक डियोडरेंट के रूप में किया जाता है. यह पसीने की दुर्गंध को रोकता है और शरीर को फ्रेश महसूस कराता है. फिटकरी का इस्तेमाल अक्सर प्राकृतिक स्किनकेयर प्रोडक्ट्स में भी किया जाता है.

डाई करने के लिए: कपड़े का रंग अगर धोते वक्त काफी निकलता है तो आप फिटकरी की मदद से कपड़े के रंग को पक्का कर सकते हैं.

स्वास्थ्य संबंधी लाभ- एलम का उपयोग गले में खराश, फंगल संक्रमण, और त्वचा के संक्रमणों के इलाज के लिए किया जाता है. इसे पानी में घोलकर गरारे करने से गले की खराश में आराम मिलता है.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

पान सिंह तोमर की नातिन ने जेई को पीटा

झांसी यूपी के झांसी में बबीना की पंजाबी कॉलोनी में युवती ने बिजली विभाग के जेई को छह सेकेंड में ताबड़तोड़ सात थप्पड़ मारे। जेई उसके घर पर स्मार्ट मीटर लगाने पहुंचा था। इसका वीडियो भी वायरल हो गया। कहा जा रहा है कि युवती बागी पान सिंह तोमर की नातिन है। पूर्व फौजी और धावक पान सिंह तोमर सत्तर के दशक में बुंदेलखंड का चर्चित बागी था। पुलिस ने सरकारी कार्य में बाधा सहित मारपीट का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक बुधवार दोपहर विद्युत विभाग की टीम क्षेत्र में पुराने डिजिटल मीटरों को स्मार्ट मीटरों से बदलने गई थी। उपभोक्ता शारदा तोमर के घर का मीटर बदला जा रहा था तभी उनकी बेटी बेटी सपना तोमर ने विरोध किया। दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक सपना ने जेई व अन्य कर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार किया। अवर अभियंता विभव कुमार रावत ने समझाने का प्रयास किया तो वह और आक्रोशित हो गई। इस बीच कुछ लोग आ गए वह अभद्र व्यवस्था करने लगे।

गंगा दशहरा पर बदायूं में 2 हादसे, नदी में डूबे 7 लोग; एक की मौत-एक लापता

बदायूं. गंगा दशहरा (ज्येष्ठ दशहरा) पर बदायूं में दो हादसे हो गए। यहां नगला बरन और दातागंज में बेलाडांडी घाट पर क्रमशः गंगा और रामगंगा में स्नान करते समय कुल सात लोग डूब गये। इनमें से पांच को ग्रामीणों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। सहसवान के नगला बरन गंगा घाट पर डूबे नौ साल के बच्चे की तलाश जारी है। जबकि दातागंज के बेलाडांडी घाट पर रामगंगा में स्नान करते समय डूबे 18 वर्षीय युवक का शव बरामद कर लिया गया है।

वहीं, दूसरा हादसा बेलाडांडी गंगा घाट पर हुआ। दातागंज नगर के मोहल्ले अरेला के रहने वाले अमन (उम्र 23 वर्ष) पुत्र ठाकुरदास अपने तीन साथियों के साथ गंगा में स्नान कर रहा था। इसी दौरान वे तीनों गहरे पानी में चले गए, जिससे तीनों डूबने लगे। अमन और उसके साथियों को डूबता हुआ देख घाट पर स्नान कर रहे लोगों ने शोर मचाया। तब वहां मौजूद गोताखोरों और पुलिस टीम ने दो दोस्तों को सकुशल बचा लिया।

जानवरों के लिए की बाड़बंदी में खुद ही फंस गए दो भाई, दोनों की करंट लगने से मौत

शाहजहांपुर. यूपी के शाहजहांपुर जिले में हादसा हो गया। खेत को जानवरों से बचाने के लिए की गई बाड़बंदी में दो भाई खुद ही फंस गए। बुधवार सुबह करंट की चपेट में आने से दो सगे भाइयों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना सुबह करीब साढ़े पांच बजे की है, जब दोनों भाई खेत में गए थे। हादसे के बाद गांव में मातम का माहौल है।

घटना कांट थाना क्षेत्र के बमरौली गांव की है। जानकारी के अनुसार गांव के रहने वाले विश्वनाथ सिंह के 35 वर्षीय धर्मवीर सिंह और 30 वर्षीय सत्यवीर सिंह के बेटे हैं। बताया जा रहा है कि इनका मूंगफली का खेत गांव से करीब 300 मीटर दूर है। खेत को आवारा पशुओं से बचाने के लिए दोनों भाइयों ने बाड़बंदी की थी और उसमें बिजली का करंट दौड़ा रखा था। बुधवार सुबह धर्मवीर खेत पर गया और करंट लगे तार की चपेट में आ गया। कुछ देर बाद उसका छोटा भाई सत्यवीर भी वहां पहुंचा। उसने भाई का शव तारों में उलझा देखा तो उसे छुड़ाने की कोशिश करने लगा, लेकिन वह भी करंट की चपेट में आ गया और मौके पर ही उसकी भी मौत हो गई।

RCB की जीत के जश्न में भगदड़, 11 मौतें

- **कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया बोले- स्टेडियम के बाहर 3 लाख लोग पहुंचे, हम तैयार नहीं थे**

बेंगलुरु. बेंगलुरु में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की विक्ट्री परेड में भगदड़ मच गई। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि भगदड़ के दौरान 11 लोग मारे गए हैं। 33 लोग घायल हुए हैं, जो खतरे से बाहर हैं। सिद्धारमैया ने कहा, विधानसभा में जब RCB टीम पहुंची तो विधानसभा के बाहर एक लाख लोग जमा थे। जश्न विधानसभा में हो रहा था, लेकिन भगदड़ चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई। स्टेडियम के बाहर 3 लाख लोग जमा थे। हमें इतनी भीड़ की उम्मीद नहीं थी। किसी ने इसकी उम्मीद नहीं की थी। हम इसके लिए तैयार नहीं थे। हादसे ने जीत की खुशी को मिटा दिया।

सिद्धारमैया ने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी सुरक्षा मुहैया करानी थी। इसके बाद क्रिकेट एसोसिएशन को संभालना चाहिए था। स्टेडियम में एक छोटा गेट था। वहां बहुत सारे लोग जमा थे। उन्होंने दरवाजा तोड़ दिया, जिसकी वजह से भगदड़ मची। CM ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपए की मदद देने का ऐलान किया।

विधानसभा में सम्मान, स्टेडियम के बाहर भगदड़

RCB की टीम जब एयरपोर्ट पहुंची तब वहां हजारों RCB फैंस मौजूद थे। RCB की टीम का विधानसभा में कर्नाटक सरकार ने सम्मान किया। एक प्रोग्राम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भी था। स्टेडियम के बाहर लाखों की भीड़ जमा हो गई थी। भीड़ को संभालने के लिए पुलिस हल्का लाठीचार्ज भी करना पड़ा। भीड़ के चलते एक बच्चा बेहोश भी हो गया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने हादसे पर दुख जताया

प्रधानमंत्री मोदी ने बेंगलुरु भगदड़ पर दुख जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। घायलों की बेहतरी के लिए प्रार्थना करता हूं।

RCB के आईपीएल चैंपियन बनने पर बेंगलुरु में जश्न मनाया जा रहा था। RCB ने एक दिन पहले मंगलवार को IPL में अपना पहला टाइटल जीता था। टीम ने पंजाब किंग्स (PBKS) को 6 रन से हराया। इसी के साथ 18वें सीजन में IPL को 8वां चैंपियन मिला।

मोदी ने PM आवास में सिंदूर का पौधा लगाया

- **गुजरात दौरे पर 1971 के भारत-PAK युद्ध की वीरांगनाओं ने दिया**

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर PM आवास पर सिंदूर का पौधा लगाया। ये पौधा उन्हें 25-26 मई को गुजरात दौरे के दौरान कच्छ में 1971 के भारत-PAK युद्ध में बहादुरी दिखाने वाली महिलाओं के ग्रुप ने भेंट किया था।

दरअसल, इस सिंदूर के पौधे को ऑपरेशन सिंदूर से जोड़कर देखा जा रहा है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले का बदला लेने के लिए भारत ने 7 मई को PoK और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था। इस ऑपरेशन का नाम सिंदूर रखा गया था।

अयोध्या- राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा हुई

सूरत के कारोबारी ने हीरे जड़े सोने-चांदी के आभूषण दान दिए, चार्टर्ड प्लेन से लाए गए

अयोध्या. अयोध्या राम मंदिर में राम दरबार की अभिजीत मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा हो गई है। सीएम योगी ने राम दरबार का पूजन किया। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम सुबह 11.25 से 11.40 बजे तक चला। रामलला के गर्भगृह के ऊपर यानी फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार बनाया गया है।

इसमें श्रीराम, मां सीता, तीनों भाई- लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न के साथ-साथ हनुमानजी की मूर्ति हैं। काशी के पुरोहित जय प्रकाश त्रिपाठी ने 101 पंडितों ने प्राण प्रतिष्ठा कराई। मंत्रोच्चारण के बाद मूर्तियों की आंखों पर बंधी पट्टियां खोली गईं और उन्हें आईना दिखाया गया। भगवान राम सहित चारों भाइयों के हाथों में धनुष है।

जहां गर्भगृह में भगवान राम बालक के रूप में हैं, वहीं रामदरबार में राजा के रूप में विराजमान हैं। श्रद्धालु राम दरबार के दर्शन कब से कर सकेंगे ट्रस्ट ने अभी इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

रामदरबार के लिए सूरत के कारोबारी मुकेश पटेल ने हीरे, सोने-चांदी के आभूषण दान दिए हैं। विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश नेवादिया ने कहा- दान दिए आभूषणों में एक हजार कैरेट का हीरा, 30 किलो चांदी, 300 ग्राम सोना, 300 कैरेट रुबी से 11 मुकुट बनाए गए हैं। इनके अलावा, गले का हार, कान के कुंडल, माथे का तिलक, चारों भाइयों के लिए धनुष-बाण हैं।

इन आभूषणों को चार्टर्ड प्लेन से अयोध्या लाया गया। इसे राम मंदिर ट्रस्ट को दान किया गया। 22 जनवरी 2024 यानी 498 दिन पहले रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी।

राम दरबार के अलावा मंदिर के ग्राउंड फ्लोर पर बने परकोटे के 6 मंदिरों में भी प्राण प्रतिष्ठा हुई। इनमें भगवान शिव, श्रीगणेश, हनुमान, सूर्य भगवान, मां भगवती, मां अन्नपूर्णा के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा भी हुई।

पिछले साल रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा में जहां देशभर के बड़े कारोबारियों, फिल्मी हस्तियों को आमंत्रित किया गया था। वहीं, आज राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा में 350 लोगों को आमंत्रित किया है। इसमें ज्यादातर ट्रस्ट के पदाधिकारी, साधु संत हैं।

रामदरबार की मूर्तियों को जयपुर में तैयार किया गया है। ये मूर्तियां मकराना के सफेद संगमरमर से बनी हैं। इसमें भगवान श्रीराम और सीता सिंहासन पर विराजमान हैं। भरत और हनुमान भगवान श्रीराम के चरणों के पास बैठे हैं।

सांप्रदायिक वीडियो मामले में शर्मिष्ठा पनोली को कलकत्ता हाई कोर्ट से राहत

- **मिली अंतरिम जमानत**

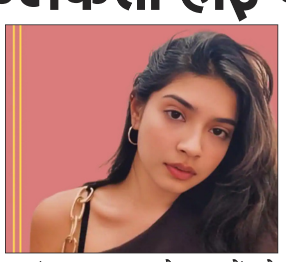

कोलकाता. सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली को कलकत्ता हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सांप्रदायिक वीडियो पोस्ट करने के मामले में कोर्ट ने शर्मिष्ठा को अंतरिम जमानत दे दी है। हालांकि, उसके देश छोड़ने पर रोक लगाई गई है। इससे पहले, मंगलवार को हाई कोर्ट ने पनोली को जमानत देने से इनकार कर दिया था, लेकिन गुरुवार को हुई सुनवाई में उसे बेल दे दी गई।

पिछली सुनवाई के दौरान जस्टिस पार्थ सारथी चटर्जी की पीठ ने कहा था कि शर्मिष्ठा की टिप्पणियों ने एक समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई है और भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है, इसलिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग दूसरों को ठेस पहुंचाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। जस्टिस ने राज्य सरकार को अगली सुनवाई पर केस डायरी पेश करने का आदेश दिया था।

अदालत ने यह भी निर्देश दिया था कि गार्डन रीच पुलिस स्टेशन के उस मामले की जांच की जाएगी जिस संबंध में पनोली को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया था। जबकि इस संबंध में अन्य सभी प्राथमिकी में कार्रवाई अगले आदेश तक जारी रहेगी। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि पनोली की कथित कार्रवाई पर आगे कोई मामला दर्ज न हो। अदालत ने यह भी कहा कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करते समय बहुत सावधान रहना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद शर्मिष्ठा पनोली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसके बाद उस पर सांप्रदायिक तनाव भड़काने का आरोप लगा। वह पुणे के एक लॉ यूनिवर्सिटी से पढ़ाई कर रही हैं। वीडियो पोस्ट करने के बाद सोशल मीडिया पर काफी बवाल मचा और गिरफ्तारी की मांग उठने लगी। हालांकि, बाद में उसने वीडियो डिलीट करते हुए माफी भी मांग ली थी, लेकिन तब तक कोलकाता में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा चुकी थी।

सांसद मोइत्रा ने कर ली शादी

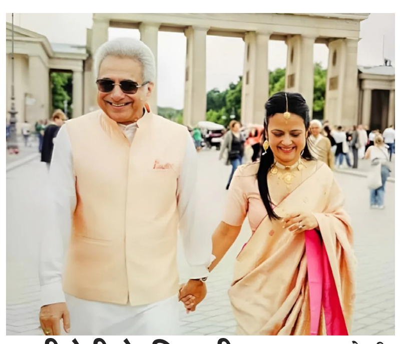

- **बीजेडी के पिनाकी मिश्रा बने जीवनसाथी**
- **जर्मनी में शादी, तस्वीर आई सामने**

नई दिल्ली. तृणमूल कांग्रेस (TMC) की तेजतर्रार लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने 3 मई को गुपचुप तरीके से शादी कर ली। महुआ मोइत्रा के जीवनसाथी बने हैं बीजू जनता दल (BJD) के वरिष्ठ नेता और पुरी से लोकसभा सांसद रहे पिनाकी मिश्रा। फिलहाल इस खबर को लेकर पार्टी और खुद सांसद ने पूरी तरह चुप्पी साध रखी है।

द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह शादी जर्मनी में हुई। प्राप्त एक तस्वीर में महुआ मोइत्रा जर्मनी में मुस्कुराती हुई दिखाई दे रही हैं, पारंपरिक परिधान और सोने के गहनों से सजी हुई हैं। इसी तस्वीर ने इस गुपचुप शादी की पुष्टि कर दी है। हालांकि, अब तक आधिकारिक तौर पर न तो महुआ और न ही उनकी पार्टी की ओर से कोई बयान आया है।

महुआ का अतीत भी रहा चर्चा में

महुआ मोइत्रा की निजी जिंदगी पहले भी सुर्खियों में रही है। उन्होंने डेनमार्क के फाइनेंसर लार्स ब्रोरसन से शादी की थी, जिनसे बाद में उनका तलाक हो गया। इसके बाद वे तीन वर्षों तक वकील जय अनंत देहाद्रई के साथ रिश्ते में रहीं, जिसे उन्होंने बाद में "धोखा खाया प्रेमी" कहा था। महुआ का पहला लोकसभा कार्यकाल एक बड़े विवाद की भेंट चढ़ गया था। उन पर आरोप लगे कि उन्होंने कारोबारी गौतम अडाणी के खिलाफ सवाल एक प्रतिद्वंद्वी उद्योगपति के कहने पर उठाए। नवंबर 2023 में जब संसद उन्हें निष्कासित करने की दिशा में बढ़ रही थी, तब द गार्जियन के साथ इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, "मर्दों के मामले में मेरी पसंद बहुत खराब है।"

शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ FIR लिखवाने वाले

वजाहत खान को ढूंढ रही असम पुलिस, कोलकाता में डाला डेरा

कोलकाता. सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली की शिकायत करने वाले वजाहत खान के खिलाफ अब खुद कई राज्यों में मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। असम पुलिस ने खान पर धार्मिक भावनाएं भड़काने और घृणा फैलाने वाली सामग्री पोस्ट करने के आरोप में मामला दर्ज किया है और उनकी गिरफ्तारी के लिए कोलकाता पहुंच गई है। आपको बता दें कि वजाहत खान ने शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ यह कहकर शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्होंने सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो शेयर किया, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुईं।

वजाहत खान की शिकायत के आधार पर 22 साल की शर्मिष्ठा को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया था। उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। अब वजाहत खान पर भी सोशल मीडिया पर घृणा फैलाने और धार्मिक भावनाएं भड़काने के आरोप लगे हैं।

असम पुलिस ने इस सप्ताह की शुरुआत में वजाहत खान के खिलाफ मामला दर्ज किया और अब गिरफ्तारी के लिए कोलकाता पहुंच गई है। कोलकाता पुलिस ने भी 'श्रीराम स्वाभिमान परिषद' नामक संस्था की शिकायत पर खान के खिलाफ केस दर्ज किया है। जब पुलिस वजाहत खान के कोलकाता स्थित घर पर पहुंची तो वह मौजूद नहीं था।

बेंगलुरु हादसे पर कोहली बोले

पूरी तरह से टूट चुका हूं

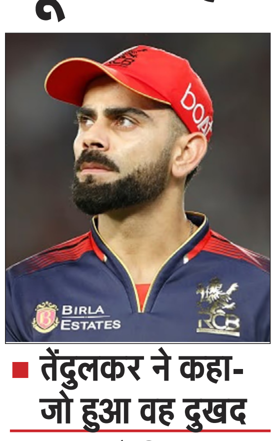

- **तेंदुलकर ने कहा- जो हुआ वह दुखद**
- **पठान ने लिखा- भगदड़ दिल दहलाने वाली**

बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की विक्ट्री परेड में भगदड़ मच गई। इससे 11 लोगों की मौत हो गई। साथ ही 33 लोग घायल हो गए हैं।

इस पर विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर लिखा- 'मेरे पास कहने के लिए शब्द नहीं हैं। पूरी तरह से टूट गया हूं।' उन्होंने हार्टब्रेक का इमोजी भी बनाया।

दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर कहा- 'जो हुआ वह दुखद है।' पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा- 'भगदड़ दिल दहलाने वाली है।' युवराज सिंह ने लिखा- जश्न का क्षण, त्रासदी में बदल गया। आरपी सिंह ने भी दुख जताया है।

तेंदुलकर ने लिखा- जो हुआ वह दुखद है

दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने लिखा- 'बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में जो कुछ हुआ, वह बेहद दुखद है। मेरी संवेदनाएं हर पीड़ित परिवार के साथ हैं। सभी के लिए शांति और शक्ति की कामना करता हूं।

तेंदुलकर ने लिखा- जो हुआ वह दुखद है

दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने लिखा- 'बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में जो कुछ हुआ, वह बेहद दुखद है। मेरी संवेदनाएं हर पीड़ित परिवार के साथ हैं। सभी के लिए शांति और शक्ति की कामना करता हूं।

इरफान पठान- भगदड़ दिल दहलाने वाली थी

भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने लिखा- 'फैंस क्रिकेट और हमारे जीवन का दिल हैं। आज बेंगलुरु में हुई भगदड़ और मौतें दिल दहला देने वाली है। मेरी संवेदनाएं और संवेदनाएं इस अकल्पनीय त्रासदी से प्रभावित परिवारों के साथ हैं।'

पहली बार सिर्फ 38 दिन चलेगी अमरनाथ यात्रा

नई दिल्ली. अमरनाथ यात्रा शुरू होने में अब एक महीने से भी कम का समय रह गया है। यात्रा से पहले केंद्र और जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम की तैयारियां की जा रही हैं। न्यूज एजेंसी ANI द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस बार अमरनाथ यात्रा के समय अवधि में कटौती की गई है।

इस बार अमरनाथ यात्रा सिर्फ 38 दिनों तक चलेगी। यह पहली बार है, जब अमरनाथ यात्रा की समय अवधि इतनी छोटी की गई है। इसके अलावा सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए इस साल अमरनाथ यात्रा में आना वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों की 581 कंपनियां तैनात की जाएंगी। ANI के अनुसार, इस बार पहली बार अमरनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के काफिले की मूवमेंट की सुरक्षा के लिए जैमर लगाए जाएंगे। इन काफिलों को सुरक्षाबल एस्कॉर्ट करेंगे। इतना ही नहीं, अमरनाथ यात्रियों के काफिले जब गुजरेंगे, उस समय यात्रा रूट की तरफ जाने वाले सभी रोड और नेशनल हाईवे सुरक्षा की दृष्टि से कुछ देर के लिए बंद कर दिए जाएंगे। सुरक्षा की दृष्टि से रोड ओपनिंग पार्टी (ROPs), क्विक एक्शन टीम (QATs), बम निरोधक दस्ते और K9 यूनिट्स और ड्रोन्स को भी तैनात किया जाएगा।

ट्रम्प की दादागिरी के आगे नहीं झुकेगा भारत

- **दोस्त रूस के प्लान पर लग सकती है मुहर; एक टेंशन**

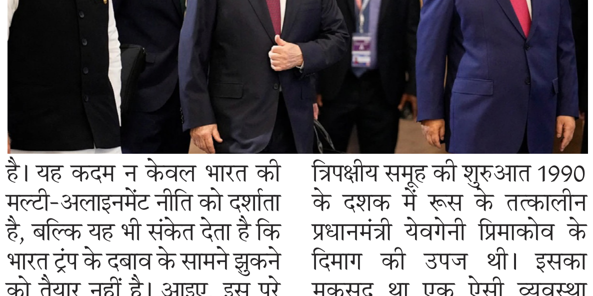

नई दिल्ली. हाल के महीनों में वैश्विक मंच पर भू-राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। एक तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी दूसरी पारी में आक्रामक व्यापार नीतियों और कूटनीतिक दबाव के साथ उभरे हैं, वहीं भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। इस बीच, भारत के पुराने और भरोसेमंद दोस्त रूस ने रूस-भारत-चीन (RIC) त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन को दोबारा खड़ा करने का प्रस्ताव रखा है, जिसे भारत ने सकारात्मक रूप से लिया है। यह कदम न केवल भारत की मल्टी-अलाइनमेंट नीति को दर्शाता है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि भारत ट्रंप के दबाव के सामने झुकने को तैयार नहीं है। आइए, इस पूरे घटनाक्रम को समझते हैं और जानते हैं कि RIC की वापसी भारत के लिए क्या मायने रखती है।

RIC यानी रूस-भारत-चीन त्रिपक्षीय समूह की शुरुआत 1990 के दशक में रूस के तत्कालीन प्रधानमंत्री येवगेनी प्रिमाकोव के दिमाग की उपज थी। इसका मकसद था एक ऐसी व्यवस्था बनाना जो पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका के नेतृत्व वाली एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौती दे सके। यह समूह बहुपक्षीयता यानी मल्टीलैटरलिज्म और संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक मंचों को मजबूत करने की वकालत करता है। हालांकि, 2020 में भारत-चीन सीमा पर गलवान घाटी में हुए हिंसक टकराव के बाद RIC की गतिविधियां लगभग ठप हो गई थीं। भारत और चीन के बीच तनाव इतना बढ़ गया था कि दोनों देशों के नेताओं ने एक-दूसरे से द्विपक्षीय बातचीत बंद कर दी थी। भारत ने अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड गठबंधन को और मजबूत किया, जिसे चीन के खिलाफ एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जाता है।

दूसरी तरफ, रूस ने भारत और चीन के बीच मध्यस्थता की कोशिश की, लेकिन सीमा विवाद के चलते RIC की गति रुक गई।

अफ्रीकी देशों में पैदा होंगे दुनिया के आधे बच्चे, भारत में घटने लगेगी आबादी

- **क्या है टेंशन बढ़ाने वाला अनुमान**

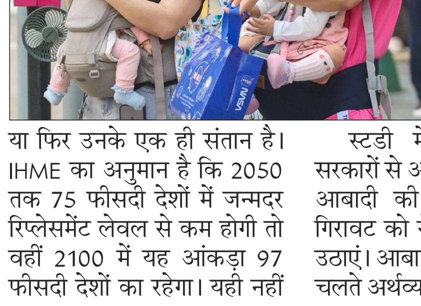

नई दिल्ली. दुनिया की आबादी में बड़े इजाफे की सदी गुजर गई है। 20वीं सदी में दुनिया की आबादी में तेजी से इजाफा हुआ था। 1901 में वैश्विक जनसंख्या सिर्फ 1.6 अरब ही थी, जो फिलहाल 8 अरब के पार है। लेकिन जनसंख्या विज्ञानियों का अनुमान है कि जनसंख्या बढ़ने का शीर्ष स्तर जल्दी ही आने वाला है और फिर गिरावट का दौर होगा। यह गिरावट का दौर कई देशों में अस्तित्व के संकट जैसा होगा तो कुछ जगहों पर बुजुर्गों की संख्या इतनी बढ़ जाएगी कि स्वास्थ्य समस्याएं चरम पर होंगी। बुजुर्गों की देखभाल के लिए युवाओं की संख्या बहुत कम हो जाएगी।

वॉशिंगटन के इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ मीट्रिक्स ऐंड इवैलुएशन (IHME) के अनुसार इस सदी के मध्य यानी 2050 तक दुनिया के 75 फीसदी देशों में जन्म दर रिप्लेसमेंट लेवल से कम हो जाएगी। इसका अर्थ हुआ कि कपल दो से भी कम बच्चे पैदा करेंगे। अब भी कई देशों में ऐसे परिवारों की संख्या बढ़ती जा रही है, जो बच्चे ही नहीं पैदा कर रहे हैं या फिर उनके एक ही संतान है। IHME का अनुमान है कि 2050 तक 75 फीसदी देशों में जन्मदर रिप्लेसमेंट लेवल से कम होगी तो वहीं 2100 में यह आंकड़ा 97 फीसदी देशों का रहेगा। यही नहीं एक दिलचस्प अनुमान है कि आज से 75 साल बाद भी नाइजर, टोंगा, सोमालिया और ताजिकिस्तान जैसे देशों में आबादी की दर 2.1 से ज्यादा होगी।

स्टडी में दुनिया भर की सरकारों से अपील की गई है कि वे आबादी की ग्रोथ में अचानक गिरावट को रोकने के लिए कदम उठाएं। आबादी में तेजी से कमी के चलते अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। एक दिलचस्प अनुमान यह भी है कि अफ्रीकी देशों में सन् 2100 तक दुनिया के आधे बच्चे पैदा होंगे। यानी दुनिया का हर दूसरा बच्चा किसी अफ्रीकी देश में पैदा होगा। वहीं जापान, साउथ कोरिया और रूस जैसे देशों को अपने दरवाजे प्रवासी लोगों के लिए खोलने की सलाह दी गई है। ऐसा इसलिए ताकि वहां आबादी का संतुलन बना रहे। रूस में तो अब भी आबादी का संकट इतना बढ़ गया है कि उसे दूसरे देशों के युवाओं को लुभाकर अपनी सेना में भर्ती करना पड़ रहा है।

बता दें कि संयुक्त राष्ट्र ने भी बीते साल आबादी को लेकर एक अनुमान जाहिर किया था। इसमें भारत की जनसंख्या में 2080 के बाद से गिरावट का अनुमान जताया गया है। यह दिलचस्प है क्योंकि 5 दशक पहले पॉल एरलिच ने एक पुस्तक लिखी थी- The Population Bomb। इस पुस्तक में कहा गया था कि ऐसे ही आबादी बढ़ी तो यह ग्रह भुखमरी का शिकार होगा। आज स्थिति उलट होती जा रही है। कई देशों ने संसाधन तो तमाम तैयार किए हैं, लेकिन अब घटती आबादी का संकट उनके लिए अस्तित्व की चिंता बढ़ा रहा है।

संक्षेप...

दो बांग्लादेशी महिलाओं को पांच महीने की सश्रम कैद

मुंबई. एक फास्ट-ट्रैक कोर्ट ने भारत में अवैध रूप से घुसपैठ करने और रहने के जुर्म में दो बांग्लादेशी महिलाओं को पांच महीने की सश्रम कैद और 20-20 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है. यह मामला न सिर्फ त्वरित सुनवाई का उदाहरण है, बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा को लेकर की जा रही सतर्क कार्रवाई का भी संकेत देता है. गिरफ्तार महिलाओं के नाम चांदनी माजी (24 साल) और तसलीमा मोडल (41 साल) है.

दोनों को मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की यूनिट-4 ने इस साल की 2 जनवरी को घाटकोपर के वैतागवाड़ी इलाके और घाटकोपर पूर्व के रेलवे ट्रैक के पास से गिरफ्तार किया था. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया की पुलिस को खुफिया सूत्रों से जानकारी मिली थी कि इन इलाकों में कुछ विदेशी नागरिक अवैध रूप से रह रहे हैं. इसके बाद पूछताछ और दस्तावेजों की जांच के बाद यह सामने आया कि दोनों महिलाएं अवैध रूप से भारत में घुसी थीं.

कसारा से इगतपुरी मात्र 8 मिनट में

- नागपुर-मुंबई समृद्धि राजमार्ग के अंतिम चरण का उद्घाटन

8 किलोमीटर की सबसे लंबी सुरंग नासिक जिले के इगतपुरी से शुरू होती है। यह राज्य की सबसे लम्बी सुरंग है।

मुंबई. नागपुर-मुंबई समृद्धि राजमार्ग के अंतिम 76 किलोमीटर लंबे इगतपुरी-अमाने खंड का उद्घाटन गुरुवार (5 जून) को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार सहित महागठबंधन के कई मंत्री मौजूद थे। इस मार्ग से इगतपुरी से कसारा की दूरी मात्र 8 मिनट में तय की जा सकेगी। इस 76 किलोमीटर लंबे खंड में कुल 5 सुरंगें हैं। हालाँकि,

अंततः इंतजार खत्म

इस बीच, 701 किलोमीटर लंबे समृद्धि राजमार्ग के नागपुर और शिरडी के बीच 520 किलोमीटर लंबे हिस्से का 11 दिसंबर, 2022 को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन किया गया और यह परिवहन सेवा का हिस्सा बन गया। इसके बाद 26 मई 2023 को शिरडी और भरवीर के बीच 80 किलोमीटर लंबे खंड का उद्घाटन तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किया था। 4 मार्च 2024 को भरवीर और इगतपुरी के बीच 25 किलोमीटर के खंड का उद्घाटन तत्कालीन लोक निर्माण (उपक्रम) मंत्री दादाजी भुसे ने किया था। इन सभी कदमों ने मार्च 2024 से नागपुर से इगतपुरी तक की 625 किलोमीटर की यात्रा को काफी तेज कर दिया। हालांकि, सभी की दिलचस्पी इस बात पर थी कि नागपुर से मुंबई तक आठ घंटे में सीधे यात्रा करना कब संभव होगा। इसके लिए इगतपुरी से अमने तक के 76 किलोमीटर के हिस्से को परिवहन सेवा में शामिल करना जरूरी था। अंततः यात्रियों का इंतजार खत्म हुआ और मार्ग के अंतिम चरण का उद्घाटन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार 5 जून को इगतपुरी में किया। उद्घाटन के बाद यह खंड आधिकारिक तौर पर यातायात के लिए खोल दिया गया है।

सुरंग की विशेषताएं....

- यह सुरंग 17 .5 मीटर चौड़ी और 9 मीटर ऊंची है और इसमें कुल तीन लेन हैं। यहां से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से यात्रा करना संभव होगा।
- सुरंग की दीवारों को निष्क्रिय अग्नि सुरक्षा प्रदान करते हुए, दीवारों पर प्रकाश परावर्तक कोटिंग की गई है, जिससे सड़क पर रोशनी का एक चमकदार प्रदर्शन बनता है।
- कुल 26 क्रॉस मार्ग प्रदान किए गए हैं, प्रत्येक 300 मीटर पर एक। यदि कोई दुर्घटना घटित हो जाए तो आप निकटतम क्रॉस मार्ग से बाहर निकल सकते हैं।
- हर 90 मीटर पर अग्नि शमन प्रणाली लगाई गई है, यदि किसी वाहन में आग लग जाती है और सुरंग में तापमान 60 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाता है तो स्वचालित स्प्रिंकलर सक्रिय हो जाते हैं, इस तकनीक का इस्तेमाल देश में पहली बार किया गया है। यह तकनीक डेनमार्क से मंगवाई गई है। इसमें 24 मीटर का जोन है, एक सुरंग में 286 तथा दोनों सुरंगों में मिलाकर 572 जोन हैं।

भिवंडी में 'हर घर पेड़' मुहिम की शुरुआत

- प्रशासक अनमोल सागर का नागरिकों से वृक्षारोपण का आह्वान
- नागरिकों से जीओ-टैगिंग कर संरक्षण में सहयोग की अपील

भिवंडी. विश्व पर्यावरण दिवस अवसर पर भिवंडी मनपा द्वारा ₹हर घर एक पेड़₹ मुहिम के तहत वृक्षारोपण मुहिम की शुरुआत की जा रही है. मुहिम का उद्देश्य शहर को अधिक हरित और स्वच्छ बनाना है. प्रशासक,आयुक्त अनमोल सागर ने शहर के पर्यावरण प्रेमी नागरिकों से स्वास्थ्य सुरक्षा की खातिर मनपा से सहयोग का आह्वान किया है.

गौरतलब हो कि,भिवंडी मनपा मुख्य उद्यान अधीक्षक तथा पर्यावरण विभाग प्रमुख निलेश संखे ने बताया कि,हर घर पेड़' मुहिम के तहत मनपा द्वारा नागरिकों को निशुल्क पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे. नागरिकों से वृक्षारोपण कर पौधों के संरक्षण की अपील की गई. जीओ-टैगिंग युक्त फोटो मनपा ट्विटर हैंडल पर जरूर साझा करें.मनपा प्रशासक,आयुक्त अनमोल सागर ने नागरिकों से आह्वान किया कि, वृक्षारोपण मुहिम में सक्रिय भागीदारी करें.भिवंडी शहर में हर घर के सामने कम से कम एक पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी में अपना योगदान अवश्य करें.विश्व पर्यावरण दिवस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके सहित अन्य अधिकारियों द्वारा मिल्लत नगर उद्यान,आरिफ गार्डन सहित कई मनपा उद्यानों में वृक्षारोपण किया गया.अतिरिक्त आयुक्त डाके ने शहरवासियों से बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा की खातिर वृक्षारोपण मुहिम में सहभागिता की अपील की.

UPSC और MPSC के परीक्षार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे मनपा आयुक्त

भिवंडी. भिवंडी शहर के छात्र जो यूपीएससी और एमपीएससी परीक्षाओं में शामिल हो रहे हैं, उनका भिवंडी निजामपुर शहर महानगर पालिका के प्रशासक और आयुक्त मार्गदर्शन करेंगे। इच्छुक विद्यार्थी अपना नाम पुस्तकालय विभागाध्यक्ष सुदाम जाधव से सम्पर्क कर (मो.नं. 70663 16999) पंजीकृत कराएं अथवा ऑनलाइन गूगल फॉर्म (https://forms.gle/VitpKBdHLCaZ37797) भरें।

जिन पत्रकारों/रिपोर्टरों के बच्चे (पुत्र/पुत्रियां) एमपीएससी/यूपीएससी परीक्षा दे रहे हैं, उन्हें प्रशासक व आयुक्त अनमोल सागर द्वारा आमंत्रित किया जाता है। तथापि, इच्छुक छात्रों से अनुरोध है कि कृपया उल्लिखित गूगल लिंक पर जानकारी भरें।

राज ठाकरे बोले-महाराष्ट्र में सिर्फ मराठी और इंग्लिश पढ़ाई जाए

- सरकार लिखित आदेश जारी करे कि हिंदी अनिवार्य नहीं
- वरना आंदोलन करेंगे

मुंबई. MNS नेता राज ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार से अपील करते हुए कहा, 'वो लिखित आदेश जारी करे कि पहली कक्षा से बच्चों को सिर्फ मराठी और इंग्लिश पढ़ाई जाएगी, हिंदी को अनिवार्य नहीं किया जाएगा।' उन्होंने बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि सरकार ने पहले तीन भाषाएं पढ़ाने का फैसला लिया था और अब हिंदी की किताबें छप भी गई हैं। अगर सरकार अब फिर से हिंदी को जरूरी करती है, तो MNS आंदोलन करेगी।

महाराष्ट्र में 16 अप्रैल को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 को लागू करने का फैसला लिया गया था, इसके तहत राज्य के मराठी और अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पहली से पांचवीं कक्षा के छात्रों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाया गया था। हालांकि, राज्य में कई संगठन और राजनीतिक दलों ने हिंदी को अनिवार्य करने का विरोध किया। इसके चलते राज्य सरकार ने 22

अप्रैल को हिंदी अनिवार्य करने का अपना निर्णय वापस ले लिया था। पत्रकारों से बातचीत के दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस ने कहा था कि स्टूडेंट्स तीसरी भाषा अपने मन से चुन सकेंगे। हिंदी अनिवार्य नहीं होगी।

5+3+3+4 मॉडल भी लागू करने का प्लान

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (NEP) 2020 के नए करिकुलम को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र में इन क्लासेज के लिए तीन भाषा की पॉलिसी लागू की गई थी। वहीं, महाराष्ट्र में NEP का रिकमेंड किया गया 5+3+3+4 मॉडल फेज-वाइज पहले की गई घोषणा के मुताबिक ही लागू किया जाएगा। इस नए स्ट्रक्चर के पहले फेज को नए एकेडमिक ईयर यानी 2025-26 से पहली क्लास के लिए लागू किया जाएगा।

थ्री लैंग्वेज पॉलिसी फेज-वाइज लागू की जाएगी

थ्री लैंग्वेज पॉलिसी भी फेज-वाइज ही लागू की जाएगी। इस एकेडमिक ईयर से राज्य के पहली क्लास के स्टूडेंट्स तीन भाषाएं पढ़ेंगे। करिकुलम के नए फ्रेमवर्क के अनुसार, महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड की टेक्स्ट बुक्स NCERT के करिकुलम पर आधारित होंगी। हालांकि, सोशल साइंस और लैंग्वेजेस की बुक्स में महाराष्ट्र का लोकल कॉन्टैक्स्ट जोड़ा जाएगा। इसी के हिसाब से पहली क्लास की टेक्स्ट बुक्स बालभारती द्वारा पब्लिश की जाएंगी। बालभारती स्टेट का टेक्स्ट बुक ब्यूरो है।

ठाकरे बोले- जनता के साथ मिलकर विरोध करेंगे

राज ठाकरे ने पूछा कि जब सरकार ने कहा था कि हिंदी जरूरी नहीं होगी, तो अब तक उसका ऑर्डर क्यों नहीं निकाला गया? उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने जल्द फैसला नहीं लिया, तो जनता के साथ मिलकर विरोध करेंगे।

उपमुख्यमंत्री हरित ठाणे अभियान का उद्घाटन

धर्मेंद्र उपाध्याय

ठाणे. विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ठाणे मनपा ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की संकल्पना के अनुरूप 'हरित ठाणे अभियान' के तहत एक वर्ष में दो लाख पेड़ लगाने का संकल्प लिया है। इस अभियान का उद्घाटन गुरुवार की सुबह परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने रेमंड कंपनी में मनपा द्वारा नियोजित नई इमारत के प्रांगण में किया।इसी समय नौपाड़ा के गावदेवी मैदान में आयोजित उत्सव वसुंधरे, संकल्प हरित ठाणे की आंतरिक शून्य अपशिष्ट और पर्यावरण प्रदर्शनी का भी उसी समय ऑनलाइन उद्घाटन किया गया। यह प्रदर्शनी सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक सभी के लिए निःशुल्क खुली रहेगी। ठाणे और उसके आसपास के इलाकों में

हरियाली बढ़ाने के लिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की संकल्पना के तहत हरित ठाणे अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का यह दूसरा साल है। मनपा आयुक्त सौरभ राव के निर्देशानुसार उपमुख्यमंत्री हरित ठाणे अभियान की योजना बनाई गई है। इस अवसर पर मनपा आयुक्त सौरभ राव, पूर्व महापौर हरिश्चंद्र पाटिल, अतिरिक्त आयुक्त (1) संदीप मालवी, अतिरिक्त आयुक्त (2) प्रशांत रोडे, उपायुक्त मनीष जोशी, उपायुक्त मधुकर बोडके, उपायुक्त शंकर पटोले, सहायक आयुक्त राजेश सोनावणे, मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रानी शिंदे आदि उपस्थित थे। इस अभियान में ठाणे में कुल दो लाख पांच हजार पेड़ लगाए जाएंगे। इसमें से 30 हजार पेड़ मियावाकी पद्धति से, पांच हजार पेड़ विभिन्न डेवलपर्स के माध्यम से, पांच हजार पेड़ निजी संस्थाओं, स्कूलों, कॉलेजों, सामाजिक संगठनों, आवासीय आवास परिसरों और सरकारी कार्यालयों की भागीदारी से लगाए जाएंगे। साथ ही शेवग्या द्वारा 10 हजार पौधे लगाए जाएंगे। इसके साथ ही मनपा अतकोली स्थित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन परियोजना क्षेत्र में बांस की प्रजाति के पांच हजार विशेष पेड़ लगाएगी। मनपा क्षेत्रीय वन विभाग और संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान की साइट पर कुल एक लाख तीस हजार पेड़ लगाने की योजना बना रही है। ठाणे मनपा कोलशेत वायुसेना स्टेशन क्षेत्र में मियावाकी पद्धति से 20 हजार पेड़ लगाने की योजना बना रही है। पिछले साल ठाणे मनपा ने इस अभियान में कुल एक लाख 27 हजार पेड़ लगाए थे।

बाइक रैली के साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता

ठाणे. हमारी पृथ्वी, हमारा भविष्य' के नारे के साथ विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से देश और राज्य भर में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इसके तहत संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के येऊर परिसर और ठाणे क्षेत्र में वन विभाग द्वारा वृक्षारोपण, बाइक रैली और जागरूकता अभियान आयोजित किए गया।प्रदूषण को रोकने, जैव विविधता के संतुलन को बनाए रखने और भविष्य के लिए हरित क्षेत्र बनाने के लिए संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान की वन संरक्षक और निदेशक अनीता पाटिल के मार्गदर्शन में वन विभाग के नागला सर्कल में पाचपखाड़ी और घोड़बंदर के सासुपाड़ा और सासुनावघर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही क्षेत्र में कूड़ा करकट और जल संरक्षण के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर उपनिदेशक (उत्तर) प्रदीप पाटिल, सहायक वन संरक्षक करिश्मा कवाडे, वन परिक्षेत्र अधिकारी राजश्री सालवे के साथ में स्थानीय नागरिक, महिला स्व-सहायता समूह, विद्यार्थी, पर्यावरण संगठन और स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।पर्यावरण जागरूकता पैदा करने के लिए एक विशेष बाइक रैली का आयोजन किया गया। यह रैली येउर से शुरू होकर पाटोनापाड़ा तक गई। रैली में शामिल लोगों ने 'पेड़ लगाओ-जीवन बचाओ', 'प्लास्टिक से बचें-पर्यावरण बचाओ' जैसे नारे देकर पूरे क्षेत्र में जन जागरूकता का संदेश फैलाया।

इन कार्यक्रमों के माध्यम से वन विभाग ने नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा की आज हमें पर्यावरण के लिए कुछ ठोस कदम उठाने की जरूरत है। वृक्षारोपण केवल एक प्रतीकात्मक कार्य नहीं है, बल्कि भविष्य के लिए एक निवेश है।

-प्रदीप पाटिल
(उपनिदेशक (उत्तर)
येउर

आम सूचना

मैं श्री आलम गुलाब मुल्ला सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप, पोर्शन ऑफ रुम नं. 16, बैरक नं. 350, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 21बीआय017431700) उक्त प्रॉपर्टी श्री मुबारक गुलाब मुल्ला के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 1.6.2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री आलम गुलाब मुल्ला

आम सूचना

मैं श्री पृथ्वीराज जयराज लोंढे सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, शांति प्रकाश मंदिर, तुकाराम पाटील चाल, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 56डीआय012762600) उक्त प्रॉपर्टी श्री दयानंद बाबू कांबले के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 29.11.2016 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री पृथ्वीराज जयराज लोंढे

आम सूचना

मैं श्रीमती राधा अल्यास राधामनी चंद्राशेखर नायर सभी को सूचित कर रही हूं कि 50 शेयर, चाल नं. 276, शीट नं. 33, दहा चाल, ब्लाक नं. ए-293 के सामने, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 40सीओ012828200) उक्त प्रॉपर्टी श्री सुरजकुमार चंद्रशेखर नायर व श्री सुजीत कुमार चंद्रशेखर नायर के नाम पर है। उनसे रिलीज एग्रीमेंट दि. 4.6.2025 द्वारा प्राप्त की है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती राधा अल्यास राधामनी चंद्राशेखर नायर

हिना खान ने बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल संग रचाई शादी

टीवी एक्ट्रेस हिना खान अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल के साथ शादी के बंधन में बंध गई हैं। हिना ने इंस्टाग्राम पर शादी की फोटो शेयर कर फैंस को चौंका दिया है। फोटोज में दोनों ही बेहद खूबसूरत लग रहे हैं। हिना और रॉकी ने घर पर ही परिवार और खास दोस्तों के बीच स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत अपनी शादी को रजिस्टर किया है।

हिना फोटोज शेयर करके लिखती हैं- 'दो अलग दुनिया लेकिन हमने मिलकर प्यार का यूनिवर्स बनाया। हमारे मतभेद मिट गए हैं और हमारे दिल एक हो गए। यह एक ऐसा बंधन है, जो उम्र भर साथ रहेगा। हम हमारा घर हैं, हमारी रोशनी हैं, एक-दूसरे की आशा हैं। साथ मिलकर हमने सभी मुश्किलों को पार किया है। आज कानून और प्यार के तहत हमारा प्यार हमेशा के लिए सील हो गया। पति-पत्नी के रूप में हम आपका आशीर्वाद चाहते हैं।'

अपने खास दिन के लिए हिना ने फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की डिजाइन की ओपल ग्रीन रंग की साड़ी पहनी है। वहीं, रॉकी हिना की साड़ी को कॉम्प्लीमेंट करते हुए ऑफ वाइट रंग के कुर्ते में नजर आ रहे हैं। हिना की साड़ी के पल्लू पर इनफिनिटी के साइन के साथ हिना रॉकी लिखा हुआ है। हिना ने ओपल ग्रीन साड़ी को पिंक ब्लाउज और पिंक दुपट्टे के साथ स्टाइल किया है। लुक को पूरा करने के लिए उन्हें कुंदन और गोल्ड ज्वैलरी पहनी है, जिसे मनीष मल्होत्रा ने ही डिजाइन किया है। सटल मेकअप के साथ उन्होंने बालों को खुला रखा है। हाथ और पैरों में मिनिमल डिजाइन वाली मेहंदी भी लगाई है।

गो ग्रीन रेवलूशन : वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए गोग्रीनरेवलूशन मुहिम के अंतर्गत आज इंडो काउंट फाउंडेशन एवं ESIC हॉस्पिटल के संयुक्त सहयोग से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कुल 60 पौधों का रोपण किया गया, जिनमें प्रमुख रूप से शीशम, जामुन और करंज जैसे पर्यावरण हितैषी पौधे शामिल थे। संस्था के संस्थापक एडवोकेट विनय कुमार सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में ESIC हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. मुगलिकर (एम.एस.), इंडो काउंट फाउंडेशन से कुमुद गोस्वामी (सीनियर जी.एम. - मार्केटिंग) और समीर भीवापुरकर (सीनियर जी.एम. - एच.आर. एंड एडमिन) की विशेष उपस्थिति रही।

आम सूचना

मैं श्री अजय गुरदयाल मुथरेजा सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, ब्लाक नं. ए-486 के सामने, डॉ. रवि लुल्ला क्लिनिक के सामने, लाल चक्की के पास, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 40सीओ008911400) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती गीत गुरदयाल मुथरेजा के नाम पर है। उनसे गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 1.6.2025 द्वारा प्राप्त की है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री अजय गुरदयाल मुथरेजा

आम सूचना

मैं श्री विक्रमभाई मगनभाई परमार सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, इंदिरा आर्शिवाद नगर, शांतिनगर, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 30सीओ021832500) उक्त प्रॉपर्टी श्री सचिन मलंग सोनावणे के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 14.3.2023 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री विक्रमभाई मगनभाई परमार

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099